नई दिल्ली ■ शनिवार 12 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 12 ■ पृष्ठ 12

JBT जनभावना टाइम्स

www.thejbt.com

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 जीवन जीने की कला सिखाते हैं राम भक्त हनुमान | 07 पंजाब किंग्स के खिलाफ वापसी करना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद | 'रेड-2' का फर्स्ट सॉन्ग आउट 06

TUITION TIGER
learn smart

PREMIUM LIVE BATCHES
(only 30 Students per Batch)

CLASS 6 NEEV
CLASS 7 PRAKHAR
CLASS 8 VIRAJ

Fee Rs. 24,000/- Per Course

CLASS 9 PARAKRAM
CLASS 10 PRAKET

Fee Rs. 30,000/- Per Course

CLASS 11 TEJAS (PCM)
CLASS 11 PRAVAAH (PCB)
CLASS 12 ADITYA (PCM)
CLASS 12 AYUR (PCB)

Fee Rs. 36,000/- Per Course

LIVE CLASSES

CLASS 6 EXCEL
CLASS 7 PULSE
CLASS 8 AVENGER

Fee Rs. 2,400/- Per Course

CLASS 9 HECTOR
CLASS 10 HERCULES

Fee Rs. 3,000/- Per Course

CLASS 11 HERMES (PCM)
CLASS 11 ZENITH (PCB)
CLASS 12 APOLLO (PCM)
CLASS 12 CATALYST (PCB)

Fee Rs. 3,600/- Per Course

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

नई दिल्ली ■ शनिवार, 12 अप्रैल 2025 ■ मूल्य 5.00 ■ वर्ष 13 ■ अंक 12 ■ पृष्ठ 12

J B T
www.thejbt.com

जनभावना टाइम्स

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, गौतमबुद्ध नगर, देहरादून एवं करनाल से प्रकाशित

निष्पक्ष और निर्भीक खबर

03 जीवन जीने की कला सिखाते हैं राम भक्त हनुमान | 07 पंजाब किंग्स के खिलाफ वापसी करना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद | 'रेड-2' का फर्स्ट सॉन्ग आउट 06

प्रधानमंत्री ने काशी में 3884.18 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

पुरातन नहीं, प्रगतिशील भी बन चुकी है काशीः मोदी

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में 3884.18 करोड़ रुपये की 44 विकास परियोजनाओं का रिमोट से लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज, राजातालाब में आयोजित विशाल जनसभा में प्रधानमंत्री ने 'काशी हमार हौ, हम काशी के हई, हम ई प्रेम के कर्जदार हई' कहकर भोजपुरी में लोगों से आत्मीय संवाद किया और काशीवासियों को उनकी असीम प्रेम और अपार आशीर्वाद के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने 1629.13 करोड़ रुपये की 19 पूर्ण परियोजनाओं का उद्घाटन किया तथा 25 अन्य योजनाओं की आधारशिला रखी। इसके साथ ही उन्होंने बनास (अमूल) से जुड़े उत्तर प्रदेश के 2.7 लाख किसानों को 106 करोड़ रुपये की बोनस राशि उनके बैंक खातों में डिजिटल माध्यम से ट्रांसफर कर दी। जनसभा में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी बन चुकी है। यह शहर आधुनिकता और विरासत दोनों को एक साथ लेकर चल रहा है। काशी के हर मोहल्ले में एक अलग रंग, अलग संस्कृति दिखती है। यहां गंगा का प्रवाह ही नहीं, भारत की चेतना का प्रवाह भी है। बनारस की आत्मा इसी विविधता में बसती है।

उन्होंने पूर्वांचल की बदलती तस्वीर का जिक्र करते हुए कहा कि यह क्षेत्र अब देश के आर्थिक मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है। 'बनारस अब सिर्फ संभावनाओं की नहीं, बल्कि संकल्प और सामर्थ्य की धरती बन रही है।' प्रधानमंत्री ने सामाजिक चेतना के प्रतीक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती का स्मरण करते हुए कहा कि फुले दंपती ने जीवन भर नारी सशक्तिकरण को समर्पित किया। उन्हीं की प्रेरणा से आज सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को मजबूती से आगे बढ़ा रही है।

उन्होंने मेहनतकश महिलाओं को विशेष रूप से बधाई देते हुए 'लखपति दीदी' योजना की सफलता का उल्लेख किया। 'जहां पहले गुजारे की चिंता थी, अब वहां कदम खुशहाली की ओर बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल बनारस ही नहीं, पूरे देश में दिख रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों के 21 से अधिक उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि जीआई टैग सिर्फ एक प्रमाण नहीं, बल्कि क्षेत्रीय उत्पादों के लिए नए बाजारों का प्रवेश द्वार है। यूपी इस क्षेत्र में अब पूरे देश में अग्रणी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश विकास व विरासत दोनों एक साथ लेकर चल रहा है। इसका सबसे बड़ा मॉडल काशी में बन रहा है। प्रधानमंत्री ने 'आयुष्मान वय वंदना योजना' के तहत बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की गारंटी दी है। उन्होंने कहा कि यह योजना केवल चिकित्सा सुविधा नहीं, बल्कि हमारे बुजुर्गों के सम्मान का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि काशीवासियों ने जब उन्हें तीसरी बार आशीर्वाद दिया, तो वह और अधिक समर्पणभाव से कर्तव्य पथ पर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता केवल सत्ता नहीं, सेवा है। सबका साथ-सबका विकास के संकल्प को आगे बढ़ा रहे हैं। महात्मा फुलेजी जैसे त्यागी तपस्वी महापुरुषों के प्रेरणा से ही देश सेवा का हमारा मंत्र रहा है। सबका साथ-सबका विकास हम देश के लिए उसी विचार को लेकर के चलते हैं। जो लोग सत्ता पाने के लिए दिन रात खेल-खेलते रहते हैं, उनके सिद्धांत परिवार का साथ-परिवार का विकास हैं।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर 70 वर्ष से अधिक आयु के तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड सौंपे और वाराणसी के तीन प्रमुख जीआई टैग उत्पादों के प्रमाण पत्र भी वितरित किए।

प्रधानमंत्री ने विपक्षी दलों पर साधा निशाना, बोले- वे केवल परिवार के हितों को आगे बढ़ाते हैं

प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि सत्ता के लिए लालायित लोग केवल अपने परिवार को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जबकि उनकी सरकार समावेशी विकास के विषय पर काम करती है। मोदी ने कहा कि राष्ट्र की सेवा में हमारा मार्गदर्शक मंत्र हमेशा 'सबका साथ, सबका विकास' रहा है। इसी भावना के साथ हम हर नागरिक के कल्याण के लिए आगे बढ़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि इसके विपरीत, जो लोग सत्ता के भूखे हैं, वे दिन-रात राजनीतिक खेल खेलते हैं और वे लोग परिवार-केंद्रित विकास पर ही ध्यान केंद्रित करते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संसदीय क्षेत्र में कहा कि सत्ता पाने के लिए खेल खेलने वाले लोग केवल अपने परिवार की उन्नति में रुचि रखते हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग केवल सत्ता हथियाने के लिए दिन-रात खेल खेलते हैं, उनका सिद्धांत 'परिवार का साथ, परिवार का विकास' है।

अपने और पराए की मानसिकता है दुनिया के कई हिस्सों में जारी युद्ध और संघर्ष की जड़: प्रधानमंत्री

अशोकनगर (मप्र)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने और पराए की मानसिकता को दुनिया के कई हिस्सों में जारी युद्ध और संघर्ष की जड़ करार दिया और कहा कि इसका समाधान अद्वैत के विचार में निहित है।

मध्यप्रदेश के अशोकनगर जिले के ईसागढ़ तहसील स्थित आनंदपुर धाम के गुरु जी महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प और 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र ही भारत सरकार की नीति और निष्ठा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भौतिक उन्नति के बीच मानवता के लिए आज युद्ध, संघर्ष और मानवीय मूल्य से जुड़ी कई बड़ी चिंताएं भी सामने हैं। उन्होंने कहा कि इन चिंताओं और इन चुनौतियों की जड़ में है अपने और पराए की मानसिकता। वह मानसिकता, जो मानव को मानव से दूर करती है। आज विश्व भी सोच रहा है इनका समाधान कहां मिलेगा? इनका समाधान मिलेगा, अद्वैत के विचार में।

उन्होंने कहा कि अद्वैत यानी जहां कोई द्वैत नहीं है। यानी जीव मात्र में एक ही ईश्वर को देखने का विचार। इससे भी आगे संपूर्ण सृष्टि को ईश्वर का स्वरूप देखने की सोच ही अद्वैत है। इसी सिद्धांत को... जो तू है, सो मैं हूं। इतनी सुंदर बात है। ये विचार मेरे और तुम्हारे का भेद खत्म कर देता है। और यह विचार सब मान लें तो सारे झगड़े ही खत्म हो जाएं। प्रधानमंत्री ने भारत को ऋषियों, मनीषियों और संतों की धरती करार दिया और कहा कि जब-जब हमारा भारत, हमारा समाज किसी मुश्किल दौर से गुजरता है तो कोई न कोई ऋषि या मनीषी इस धरती पर अवतरित होकर समाज को नयी दिशा देता है।

उन्होंने कहा कि हम पूज्य स्वामी अद्वैतानन्द महाराज के जीवन में भी इसकी झलक देख सकते हैं। एक समय था, जब आदि शंकराचार्य जैसे आचार्यों ने अद्वैत दर्शन के गहरे ज्ञान की व्यख्या की थी। इसी परंपरा में पूज्य अद्वैतानन्द जी महाराज ने भारत के जन सामान्य तक इसे पहुंचाने का बीड़ा उठाया। महाराज जी ने अद्वैत के ज्ञान को हम सभी के लिए और सरल बनाया, उसे सामान्य जन के लिए और सुलभ कर दिया। जिले के ईसागढ़ तहसील के आनंदपुर गांव में स्थित यह धाम परमहंस अद्वैतानन्द महाराज का समाधि स्थल और अद्वैत मठ का मुख्य आश्रम है। यह अशोकनगर जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर और भोपाल से करीब 215 किलोमीटर दूर है।

मोदी ने कहा कि आनंदपुर धाम लोगों को मुफ्त इलाज मुहैया करा रहा है, यहां आधुनिक गोशाला है, नई पीढ़ी के लिए स्कूल हैं और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में यह सक्रिय है। सेवा की यह भावना सरकार के प्रयासों का ही परिणाम है कि आज गरीब व्यक्ति भोजन की चिंता से मुक्त है, आयुष्मान योजना के कारण इलाज, जल जीवन मिशन के तहत पानी और पीएम आवास योजना के तहत घर आदि मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब और वंचित के उत्थान का संकल्प... 'सबका साथ, सबका विकास' का मंत्र... सेवा की ये भावना... आज सरकार की नीति भी है और निष्ठा भी है।

संक्षिप्त खबरें

किश्तवाड़ में एक आतंकवादी ढेर, उधमपुर में तलाशी अभियान तेज

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में शुक्रवार को एक आतंकवादी मारा गया, जबकि उधमपुर जिले में तीन आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए एक अलग अभियान चल रहा है। उधमपुर जिले के जोफर-मार्टा जंगलों में तलाशी अभियान चल रहा है। खोजी कुत्तों और हवाई निगरानी से लैस कई सुरक्षा एजेंसियां इलाके में छिपे तीन आतंकवादियों का पता लगाने के लिए पूरे जंगल क्षेत्र की तलाशी ले रही हैं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों के बीच संभावित रूप से घूमने वाले आतंकवादियों पर नजर रखने के लिए डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। किश्तवाड़ में सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से चतरू वन क्षेत्र में बुधवार को शुरू किये गए अभियान के दौरान मुठभेड़ शुरू हुई। ऑपरेशन के दौरान बलों का आतंकवादियों से संपर्क स्थापित हुआ। मारा गया आतंकवादी पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा था, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

नागेंद्रन संभालेंगे तमिलनाडु भाजपा की कमान, अन्नामलाई की जगह लेंगे

चेन्नई। तमिलनाडु की तिरुनेलवेली विधानसभा सीट से भाजपा विधायक नैनार नागेंद्रन तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष बनने जा रहे हैं। वे के अन्नामलाई की जगह लेंगे। प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए किसी अन्य उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया है इसलिए नागेंद्रन का अध्यक्ष बनना तय माना जा रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा, 'तमिलनाडु भाजपा को प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए केवल नैनार नागेंद्रन का नामांकन मिला है। तमिलनाडु भाजपा इकाई के अध्यक्ष के रूप में के अन्नामलाई ने सराहनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। चाहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाना हो या पार्टी कार्यक्रमों को गांव-गांव तक पहुंचाना हो, अन्नामलाई का योगदान अभूतपूर्व रहा है। भाजपा अन्नामलाई के संगठनात्मक कौशल का लाभ पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उठाएगी।'

एक लाख की इनामी महिला नक्सली ने किया आत्मसमर्पण

कोंडागांव। नक्सली संगठन में सक्रिय एक लाख रुपये की इनामी बारसूर एलओएस सदस्य महिला नक्सली ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय कोंडागांव में एसपी वाय बक्ष्य कुमार के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया है। आत्मसर्पित महिला नक्सली देवे वेको पिता मंगलू निवासी ग्राम बस्तानार, थाना कोडेनार, जिला बस्तर मुठभेड़ सहित कई नक्सली वारदातों में शामिल रही। आत्मसमर्पित महिला नक्सली वर्ष 2009 से 2011 तक जनमिलिशिया सदस्य रही, जबकि 2012 से 2022 तक बारसूर एलओएस सदस्य के रूप में सक्रिय रही। वह कोंडागांव, बस्तर व नारायणपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई कई नक्सली मुठभेड़ों में शामिल रही है। प्रशासन ने आत्मसमर्पण करने वाली महिला नक्सली को प्रोत्साहन राशि के रूप में 50 हजार रुपये प्रदान किए हैं।

दिल्ली में तेज आंधी के साथ बारिश मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में लगातार दूसरे दिन शुक्रवार शाम को तेज आंधी के साथ बारिश हुई। इससे एक तरफ जहां तापमान में गिरावट आई वहीं दूसरी तरफ कई इलाकों में पेड़ और बिजली के खम्भे गिर गए, जिससे कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत उत्तर भारत के कई हवाई अड्डों पर विमान परिचालन भी प्रभावित हुआ। गुरुवार को भी धूल भरी आंधी आई थी और बारिश भी हुई थी।

शुक्रवार शाम आई तेज आंधी के कारण दिल्ली-एनसीआर में चारों तरफ धूल का गुबार ही नजर आ रहा था, जिसके कारण सड़कों पर पैदल ही नहीं बल्कि वाहन पर भी चलना दूभर हो गया। आंधी के बाद अचानक झमाझम बारिश भी होने लगी। यही हाल गुरुग्राम और नोएडा का भी रहा। वहां भी धूल भरी आंधी चलने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। लोगों के दफ्तरों से निकलने का समय था कि तभी आंधी चलने लगी।धूल भरी आंधी के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 15 उड़ानों को डायवर्ट किया गया। दिल्ली में मौसम बिगड़ने के चलते मेट्रो ट्रेनों की रफ्तार पर भी असर पड़ा। बिजली का खंभा गिरने से आईटीओ इलाके में यातायात प्रभावित हुआ।

दिल्ली के सराय रोहिल्ला इलाके में पेड़ गिरने से कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। मौसम विभाग ने पूरे दिल्ली-एनसीआर में हल्की से मध्यम बारिश, आंधी, धूल भरी आंधी के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की आशंका जताते हुए रेड अलर्ट जारी किया है।

आईएमडी ने अपने अलर्ट में कहा कि अगले 2 घंटों के दौरान पूरे दिल्ली और एनसीआर में धूल भरी आंधी/बाद में हल्की से मध्यम बारिश (40-60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं) की संभावना है।

रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन योजना हुई बेमानीः राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना का लाभ युवाओं को नहीं मिल पाने पर केंद्र सरकार की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि साल 2024 में इस मद में आवंटित 10 हजार करोड़ रुपये की राशि भी बिना उपयोग के वापस कर दी गई। इस तरह यह योजना बेमानी साबित हो रही है। राहुल ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि 2024 के चुनाव के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे युवाओं को रोजगार देने का वादा करते हुए बहुत धूमधाम से ईएलआई योजना की घोषणा की थी। इस योजना की घोषणा किए हुए लगभग एक साल हो गया है, सरकार ने इसे परिभाषित भी नहीं किया है और इसके लिए आवंटित 10 हजार करोड़ रुपये वापस कर दिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि केवल बड़े कॉरपोरेट्स पर ध्यान केंद्रित करके, निष्पक्ष व्यापार की बजाय कुछ खास व्यापारिक घरानों को बढ़ावा देकर, उत्पादन की बजाय असेंबली को प्राथमिकता देकर और स्वदेशी कौशल की उपेक्षा करके नौकरियां पैदा नहीं की जा सकतीं। करोड़ों नौकरियां पैदा करने का तरीका एमएसएमई में बड़े पैमाने पर निवेश, निष्पक्ष बाजार जहां प्रतिस्पर्धा पनप सके, स्थानीय उत्पादन नेटवर्क के लिए समर्थन और सही कौशल से लैस युवाओं के माध्यम से है।

अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठनों ने छोड़ा अलगाववाद का रास्ता: अमित शाह

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में अलगाववादी आंदोलन को बड़ा झटका देते हुए एक और समूह जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने भी ऑल पार्टी हुर्रियत कॉन्फ्रेंस (एपीएचसी) से अपने सभी संबंध तोड़ लिए हैं। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर में अलगाववाद का रास्ता छोड़ने वाले संगठनों की संख्या 12 तक पहुंच गई है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पोस्ट में यह जानकारी दी। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के तहत जम्मू-कश्मीर में एकता की भावना व्याप्त है। हुर्रियत से जुड़े एक अन्य संगठन जम्मू-कश्मीर मास मूवमेंट ने अलगाववाद को खारिज करते हुए भारत की एकता के प्रति पूर्ण प्रतिबद्धता की घोषणा की है। मैं उनके इस कदम का तहे दिल से स्वागत करता हूं। अब तक हुर्रियत से जुड़े 12 संगठन अलगाववाद से अलग हो चुके हैं और भारत के संविधान पर भरोसा जता चुके हैं। यह प्रधानमंत्री मोदी के एक भारत श्रेष्ठ भारत के सपने की जीत है।

उल्लेखनीय है कि यह घटनाक्रम केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा मीरवाइज उमर फारूक की अध्यक्षता वाली अवामी एक्शन कमेटी (एसीसी) और मसरूर अब्बास अंसारी की अध्यक्षता वाले जम्मू-कश्मीर इत्तेहादुल मुस्लिमीन (जेकेआईएम) पर गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत पांच साल के लिए प्रतिबंधित संगठन घोषित करने के कुछ दिनों बाद शुरू हुआ था।

तहव्वुर राणा ने 26/11 की तरह अन्य भारतीय शहरों को निशाना बनाने की साजिश रची थी: एनआईए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने कहा है कि आरोपी तहव्वुर राणा ने 26/11 के मुंबई हमलों की तरह ही कई अन्य भारतीय शहरों को भी निशाना बनाने के लिए साजिश रची थी।

एक सूत्र के अनुसार, माना जा रहा है कि एनआईए ने विशेष न्यायाधीश से कहा कि उसकी (राणा की) लंबी हिरासत व्यापक पूछताछ के लिहाज से आवश्यक है, जिसका उद्देश्य साजिश की गहरी परतों को उजागर करना है। हमें संदेह है कि मुंबई हमलों में इस्तेमाल की गई चालों को अन्य शहरों में भी अंजाम देने की साजिश थी, जिसके बाद जांचकर्ताओं ने यह जांच की कि क्या इसी तरह की साजिश कहीं और भी रची गई थी। दिल्ली की एक अदालत को पिछले दिनों अमेरिका से राणा के प्रत्यर्पण से पहले मुंबई हमलों के मुकदमे के रिकॉर्ड मिल गए थे। एक सूत्र ने यह जानकारी दी।

एनआईए ने कहा कि आपराधिक षड्यंत्र के तहत आरोपी संख्या एक डेविड कोलमैन हेडली ने अपनी भारत यात्रा से पहले पूरी साजिश पर राणा से बात की थी। एनआईए ने अदालत को बताया कि संभावित चुनौतियों की आशंका से हेडली ने राणा को एक ईमेल भेजा था जिसमें उसके सामान और परिसंपत्तियों का ब्योरा था। एजेंसी ने साथ ही बताया कि हेडली ने राणा को इस साजिश में पाकिस्तानी नागरिकों इलियास कश्मीरी और अब्दुर रहमान की संलिप्तता के बारे में भी बताया था। दोनों इस मामले में आरोपी हैं। एनआईए ने गुरुवार देर रात विशेष न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह के समक्ष अपनी दलीलें रखीं जिन्होंने राणा को 18 दिन के लिए एनआईए हिरासत में भेज दिया।

अपने आदेश में, न्यायाधीश ने एनआईए को हर 24 घंटे में राणा की मेडिकल जांच कराने और उसे हर दूसरे दिन अपने वकील से मिलने देने का निर्देश दिया। न्यायाधीश ने राणा को केवल एक 'सॉफ्ट-टिप' कलम का उपयोग करने और एनआईए अधिकारियों की मौजूदगी में अपने वकील से एक निश्चित दूरी से मिलने की अनुमति दी।

लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' का सफल परीक्षण

एक हजार किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम

नई दिल्ली। भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) गौरव अपने दूसरे परीक्षण में भी खरा उतरा है। ओडिशा के तट पर परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को बिल्कुल सटीकता से मारकर अपनी उपयोगिता साबित की। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम का पहला परीक्षण पिछले साल 14 अगस्त को किया था। डीआरडीओ ने लड़ाकू विमान एसयू-30 एमकेआई से 8-10 अप्रैल के दौरान लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी) 'गौरव' के सफल परीक्षण किए हैं। उड़ान परीक्षण के दौरान ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीक निशाना बनाया। परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान संपूर्ण उड़ान डेटा को समुद्र तट के किनारे एकीकृत परीक्षण रेंज में तैनात टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम के जरिए कैप्चर किया गया। उड़ान की निगरानी डीआरडीओ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों ने की। विकास सह उत्पादन साझेदार अडाणी डिफेंस और भारत फोर्ज ने भी उड़ान परीक्षण के दौरान भाग लिया।

एलआरजीबी 'गौरव' हवा से प्रक्षेपित 1,000 किलोग्राम वर्ग का ग्लाइड बम है, जो लंबी दूरी पर लक्ष्य को भेदने में सक्षम है। प्रक्षेपित होने के बाद ग्लाइड बम आईएनएस और जीपीएस डेटा के संयोजन के साथ अत्यधिक सटीक हाइब्रिड नेविगेशन योजना का उपयोग करके लक्ष्य की ओर बढ़ता है। गौरव को हैदराबाद के रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम 'गौरव' के सफल उड़ान परीक्षण के लिए डीआरडीओ, भारतीय वायु सेना को बधाई दी। उन्होंने इसे सशस्त्र बलों की क्षमता को और मजबूत करने के लिए स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के देश के प्रयास में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि 'गौरव' के विकास से सशस्त्र बलों की क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी।

नरेला के एजुकेशनल हब के लिए 5 सौ करोड़ रुपये का बजट : एलजी

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा हमारी प्राथमिकता में है। इसके मद्देनजर नरेला में प्रस्तावित एजुकेशनल हब के लिए इस साल के बजट में 500 करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया गया है। दिल्ली के उपराज्यपाल एवं गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ यूनिवर्सिटी (आईपीयू) के कुलाधिपति विनय कुमार सक्सेना ने शुक्रवार को यह बातें आईपी यूनिवर्सिटी के द्वारका कैंपस में आयोजित 17वें दीक्षांत समारोह में अध्यक्षीय भाषण में कही।

इस अवसर पर यूजी से पीएचडी तक के कुल 24,456 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई। 110 छात्रों को पीएचडी, 12 को एमफ़िल, 2,624 को मास्टर्स, 20,739 को बैचलर्स, 483 को एमबीबीएस, 488 को एमडी, एमएस एवं आयुर्वेद वाचस्पति की डिग्री दी गई।इनमें से 74 छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में कुल 110 पीएचडी प्राप्तकर्ताओं में 35 पुरुष और 75 महिलाएं शामिल हैं। इसके अलावा 73 मेडल विजेताओं में, 49 महिलाएं हैं। साथ ही यूनिवर्सिटी के द्वारा दिए गए विशेष पदक भी महिलाओं ने जीते।

यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलसचिव रहे डॉ. बीपी जोशी की स्मृति में दिया जाने वाला एक स्वर्ण पदक रिया दुआ को दिया गया, सिद्धार्थ खिटोलिया अवार्ड मुस्कान गुप्ता ने प्राप्त किया और अशोक साहनी एवं सुमन साहनी अवार्ड क्रमशः टेक्नोलॉजी एवं मेडिसिन के फील्ड में उल्लेखनीय योगदान के लिए पूजा सुखीजा और हिमानी तोमर को दिया गया। डिग्री लेने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल सक्सेना ने कहा कि अब आपके कंधों पर पूरे समाज और राष्ट की जिम्मेदारी है। आपको संवेदनशील रहना होगा। जो शिक्षा किसी के जीवन में ख़ुशी ना ला सके वो किसी काम की नहीं। मानवीय मूल्यों की पढ़ाई किताबों से संभव नहीं है। इतिहास इस बात का गवाह है कि एक मनुष्य पूरी दुनिया में परिवर्तन ला सकता है। अब दिल्ली सुरक्षित हाथों में है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर कहा कि हमारी प्राथमिकता दिल्ली की शिक्षा व्यवस्था को बेहतर करने की है। छात्रों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि समाज के प्रति वे अपनी जिम्मेदारी को समझें।

आपसी भागीदारी से ही विकसित दिल्ली या विकसित भारत का लक्ष्य पाया जा सकता है। दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने कहा कि डिग्री सही मायने में विद्यार्थियों के संघर्ष की गाथा है और उनके जीवन की असली परीक्षा अब शुरू होगी। विद्यार्थियों को सस्टेनेबलिटी और एआई से देश की सूरत को बदलना होगा। सीखने की प्रक्रिया हमेशा जारी रहनी चाहिए। दिल्ली के मुख्य सचिव धर्मेंद्र ने कहा कि स्किल गैप को कम करने की जरूरत है। दीक्षांत भाषण देते हुए मुख्य अतिथि इंडियन नेशनल साइंस अकादमी के अध्यक्ष प्रो. आशुतोष शर्मा ने कहा कि देश में इनोवेशन कल्चर को प्रमोट करने की जरूरत है। नए स्टार्ट अप को बढ़ावा देने की आवयश्कता है। ज्ञान की विभिन्न धाराओं के कन्वर्शन की जरूरत है। जीवन पर्यंत शिक्षा और तकनीक के अनुप्रयोग पर भी उन्होंने जोर दिया।

यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. महेश वर्मा ने इस अवसर पर यूनिवर्सिटी रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में जल्द ही इंडियन नॉलेज सेंटर स्थापित किया जाएगा। यूनिवर्सटी में लगभग 100 एमओयू साइन किए हैं जिसमें से 40 विदेशी संस्थानों के साथ हैं। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी की प्रगति यात्रा पर आधारित एक पुस्तक इम्प्रेशंसः द आईपीयू जर्नी ऑफ़ एक्सीलेंस का लोकार्पण भी किया गया।

सीएजी की ऑडिट रिपोर्टों पर दिल्ली विस में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक

30 अप्रैल तक एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में बीते दिनों पेश हुए सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट्स को लेकर शुक्रवार को लोक लेखा समिति (पीएसी) की बैठक हुई। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने विधानसभा सचिवालय में भारत के महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्टों पर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इसमें विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, पब्लिक एकाउंट कमेटी (पीएसी) के अध्यक्ष अजय महावर, सरकारी उपक्रमों पर समिति (सीओजीयू) के अध्यक्ष गजेन्द्र ड्राल, अतिरिक्त मुख्य सचिव (वित्त) तथा दिल्ली की महालेखाकार रोली शुक्ला मालगे उपस्थित रहीं।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने 20 अप्रैल तक शराब की सप्लाई और रेगुलेशन पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने 30 अप्रैल तक बाकी सभी सीएजी रिपोर्टों पर एक्शन टेकन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। बैठक के दौरान महालेखा परीक्षक (ऑडिट) द्वारा ऑडिट रिपोर्टों की प्रमुख टिप्पणियों एवं निष्कर्षों पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इसके बाद ऑडिट पैरा मॉनिटरिंग सिस्टम (एपीएमएस) को लागू करने की स्थिति तथा दिल्ली विधानसभा के द्वितीय सत्र के दौरान प्रस्तुत रिपोर्टों से संबंधित 'एक्शन टेकन नोट्स' (एटीएन) पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने ऑडिट टिप्पणियों पर समयबद्ध कार्रवाई के महत्त्व को रेखांकित किया तथा शासन में उत्तरदायित्व और पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु मजबूत तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

बैठक में उपस्थित समितियों और विभागीय अधिकारियों ने ऑडिट सिफारिशों के प्रभावी अनुपालन हेतु संस्थागत समन्वय को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। बैठक का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में सुशासन और जन- उत्तरदायित्व को सुदृढ़ करने के लिए नियंत्रण प्रणालियों को और अधिक मजबूत किया जाएगा और ऑडिट से संबंधित मुद्दों का शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। बता दें कि नई सरकार बनने के बाद दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के पहले दिन 24 मार्च को सीएजी रिपोर्ट पर चर्चा के दौरान विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने पिछली आम आदमी पार्टी सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए बड़ा आरोप लगाया था।

इसके बाद उन्होंने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव धर्मेंद्र कुमार को पत्र लिखा था कि बीते 10 वर्षों के दौरान लोक लेखा समिति ने सीएजी की रिपोर्ट की न तो जांच की और न ही एक पैरा की कोई रिपोर्ट दी। विधानसभा अध्यक्ष ने मुख्य सचिव को इस संबंध में उठाए गए कदमों की जानकारी देने की बात कही थी। ताकि पब्लिक अकाउंट कमिटी इस मामले की समीक्षा कर आगे की आवश्यक कार्रवाई कर सके। आम आदमी पार्टी सरकार के कार्यकाल की लंबित 14 सीएजी रिपोर्ट्स में से बीते दिनों मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता 8 रिपोर्ट प्रस्तुत कर चुकीं हैं।

संक्षिप्त खबरें

घर के बाहर टहल रहे युवक को बदमाशों ने मारी गोली

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के मुस्तफाबाद इलाके में गली में टहल रहे एक युवक को बदमाशों ने गोली मार दी। घायल युवक को परिवार वालों ने जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची दयालपुर थाना पुलिस ने घायल युवक के पिता के बयान पर हत्या के प्रयास सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने में जुटी हुई है। उत्तर पूर्वी जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार रात 11 बजे मुस्तफाबाद इलाके में फायरिंग की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दयालपुर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल पर पूछताछ करने पर पता चला कि घायल को परिवार वाले अस्पताल लेकर गए हैं। पुलिस अस्पताल पहुंची। जहां उसका इलाज चल रहा है। जांच में घायल की पहचान मेहराज के रूप में हुई है। पीड़ित परिवार का कहना है कि मेहराज कपड़ा सिलाई का काम करता है। काम से लौटने के बाद वह गुरुवार रात घर के बाहर गली में टहल रहा था तभी उसे किसी ने गोली मार दी। पीड़ित परिवार का कहना है कि घायल युवक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है।

फॉर्च्यूनर कार पर अंधाधुंध फायरिंग, एक की मौत

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के पश्चिम विहार इलाके में शुक्रवार सुबह रिंग रोड पर एक फॉर्च्यूनर कार पर अज्ञात बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां चलाईं। इस घटना में कार चला रहे व्यक्ति की मौत हो गई। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतक की पहचान राजकुमार दलाल (40) के रूप में हुई है। फिलहाल पश्चिम विहार ईस्ट थाना पुलिस मामले की जांच कर रही है। डीसीपी सचिन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 7:15 बजे पीसीआर को कॉल मिली कि एसबीआई कॉलोनी के सामने कई राउंड फायरिंग की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस को पता चला कि बदमाशों ने फॉर्च्यूनर कार को निशाना बनाते हुए करीब 8 से 10 राउंड गोलियां चलाईं। घटना में गोली लगने से एक व्यक्ति घायल हुआ था, जिसे पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

आआपा सरकार के समय स्कूलों में हुए निर्माण की विजिलेंस जांच के आदेश

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी सरकार के समय सरकारी स्कूलों में हुए निर्माण कार्यों की विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आज पालम विधानसभा दौरे के दौरान सरकारी स्कूलों की छतों से बारिश के समय कक्षों में पानी टपकने सहित कई शिकायत मिली। इसके बाद विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए।

लोक निर्माण विभाग के मंत्री ने विधानसभा के सरकारी स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि स्कूल की प्रधानाचार्य ने बारिश के समय स्कूल की छत से कक्षाओं में पानी टपकने की शिकायत की। प्रधानाचार्य ने बताया कि बारिश के समय छात्रा कक्षाओं में पानी भरने की वजह से पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि दो साल पहले बनी स्कूल की छत बारिश के समय पानी टपकना गंभीर मामला है। निरीक्षण के दौरान स्कूल में कई खामियां देखने को मिली। इसलिए पिछली सरकार के समय स्कूलों में हुए निर्माण की विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए हैं। लोक निर्माण विभाग के मंत्री आज स्थानीय विधायक कुलदीप सोलंकी के साथ पालम विधानसभा क्षेत्र का दौरा किया। दौरे के दौरान विधायक ने मंत्री को यहां की कई समस्याओं के बारे में बताया। इसके बाद मंत्री ने सभी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग के मंत्री ने कहा कि हर विधानसभा क्षेत्र की तरह पालम विधानसभा क्षेत्रों में भी सभी नालियां बंद हैं और सड़कों पर अतिक्रमण किया गया है।

निगम आयुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है : भारद्वाज

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा हमला बोला है। पार्टी के नेता और दिल्ली के प्रभारी सौरभ भारद्वाज और मेयर महेश कुमार ने एमसीडी आयुक्त अश्वनी कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी भेजा गया है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली नगर निगम का बजट पेश होने के बाद उसमें जनता को बड़ी राहत दी गई थी। जिन प्रॉपर्टीज का आकार 100 गज तक है, उनका प्रॉपर्टी टैक्स माफ करने का प्रस्ताव पास किया गया। उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा 12,000 अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने का भी प्रस्ताव पारित हुआ था। लेकिन, इन फैसलों को आयुक्त ने अब तक लागू नहीं किया। इसके विपरीत जनता पर अतिरिक्त बोझ डालते हुए यूजर चार्ज लगा दिए गए, वह भी मेयर से बिना परामर्श लिए। सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि आयुक्त अश्वनी कुमार भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगर आयुक्त को हटाया नहीं गया, तो यह साफ हो जाएगा कि निगम में भाजपा की राजनीति चलाई जा रही है। वहीं, दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखते हुए कहा है कि निगम आयुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है। उन्होंने लिखा कि सदन की मंजूरी के बावजूद आयुक्त ने न तो टैक्स माफी का आदेश जारी किया और न ही यूजर चार्ज हटाने की कोई पहल की। मेयर ने कहा कि जनता टैक्स के बोझ से परेशान है और भाजपा ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए।

पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है कि आपसे अनुरोध है कि आयुक्त को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए और निगम में एक ऐसी सोच वाले व्यक्ति की नियुक्ति की जाए, जो दिल्ली की जनता और निगम के बीच तालमेल बना सके।

दिल्ली के मेयर ने निगमायुक्त को हटाने के लिए गृह मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर महेश कुमार खिची ने निगमायुक्त अश्विनी कुमार को हटाने के लिए शुक्रवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। महापौर ने अश्विनी कुमार के स्थान पर एक उत्तरदायी निगमायुक्त की नियुक्ति की मांग की है। महापौर ने पत्र में लिखा है कि निगमायुक्त सदन को बिना विश्वास में लिये जनता की कमर तोड़ने वाले टैक्स लगा रहे हैं और विभिन्न मामलों में फीस बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि निगमायुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है। महापौर ने कहा कि नागरिक सुविधाएं देने के लिए निगम के कार्यपालक अधिकारियों एवं विधायी संस्थाओं के प्रमुखों के साथ समन्वय एवं सहयोग आवश्यक है। खिची ने कहा कि जनता टैक्स के बोझ से परेशान है और निगमायुक्त ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए।

द्वारका में बिना इजाजत काट दिए 100 पेड़, वन विभाग ने सीपीडब्लूडी और एनआईआई को भेजा नोटिस

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत पेड़ काटने का मामला सामने आया है। इसे लेकर गुरुवार को दिल्ली के वन और वन्यजीव विभाग ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) को नोटिस जारी किया है। विभाग को शिकायत मिली है कि द्वारका सेक्टर 5 में एक भूखंड पर पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि का टुकड़ा एनआईआई का है, जबकि सीपीडब्ल्यूडी इस क्षेत्र में काम कर रहा है। राजधानी में पेड़ों को काटने के लिए किसी भी एजेंसी को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 के तहत वन विभाग से अनुमति लेनी अनिवार्य होती है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि द्वारका साइट पर अनुमानित 100 पेड़ काटे गए, लेकिन एक भी पेड़ काटने के लिए अनुमति नहीं मांगी या दी गई। वन विभाग में एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है। जिसपर कार्रवाई की गई। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया कि हमें बुधवार को शिकायत मिली थी कि कुछ पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है और निरीक्षण के बाद एनआईआई और सीपीडब्ल्यूडी दोनों को प्रतिबंधात्मक नोटिस जारी किए गए।

दिल्ली में मेयर और डिप्टी-मेयर चुनाव की तारीख का एलान, 25 अप्रैल को होगा मतदान

नई दिल्ली। दिल्ली में मेयर और डिप्टी-मेयर का चुनाव 25 अप्रैल को होगा। नामांकन की अंतिम तारीख 21 अप्रैल है। आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच कड़ा मुकाबला संभावित है। दोनों दल अपनी रणनीतियां बना रहे हैं।

यह चुनाव दिल्ली नगर निगम की सत्ता के लिए अहम माना जा रहा है। मतदान दोपहर 2 बजे से शुरू होगा। बता दें, फिलहाल आम आदमी पार्टी के महेश कुमार खिची दिल्ली के मेयर हैं। उन्हें पिछले साल नवंबर में हुए चुनाव में मेयर चुना गया था। करोल बाग के देव नगर वार्ड से आप नेता महेश खिची ने बीजेपी के किशन लाल (शकूरपुर वार्ड) को केवल तीन वोटों के मामूली अंतर से हरा दिया था। कुल 265 वोटों में से खिची को 133 वोट और किशन लाल को 130 वोट मिले थे जबकि 2 वोट को अमान्य घोषित कर दिया गया था।

दिल्ली विधानसभा में दिव्यांग बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

बाबा साहेब ने समाज को ज्ञान का अमृत दिया, खुद अपमान का जहर पी गए : विधानसभा अध्यक्ष

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की 134वीं जयंती के उपलक्ष्य में दिव्यांग बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता मुख्य अतिथि और रविंदर सिंह इंद्राज (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जाति और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन हमें संघर्ष, धैर्य और आत्मबल का पाठ पढ़ाता है। उन्होंने समाज को ज्ञान का अमृत दिया और स्वयं अपमान का जहर पी गए। बाबा साहेब के संघर्षों से हमें सीखना चाहिए कि जीवन भी एक दौड़ है—यदि हम बिना थके चलते रहे, तो मंजिल जरूर मिलती है। विजेंद्र गुप्ता ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। गुप्ता ने इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले को पुष्पांजलि अर्पित की। गुप्ता ने कहा कि यह आयोजन केवल एक रचनात्मक क्रियाकलाप नहीं, बल्कि बाबा साहेब के विचारों को आत्मसात करने का अवसर है।

उन्होंने बताया कि बाबा साहेब का योगदान सिर्फ संविधान निर्माता के रूप में नहीं बल्कि एक क्रांतिकारी समाज सुधारक के रूप में भी अमूल्य है। उनके विचार आज भी हर बदलाव, हर आंदोलन में जीवंत हैं। चित्रकला प्रदर्शनी पर अपने विचार रखते हुए विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि शब्दों के बिना बोलने वाली कला, बाबा साहेब के विचारों को रंगों के माध्यम से जीवंत करती है। एक रेखाचित्र हजार शब्दों से अधिक असरदार होता है। दिल्ली सरकार के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग मंत्री रविंद्र सिंह इंद्राज ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचारों और दीनदयाल के अंत्योदय को आगे बढ़ाते हुए दिव्यांग बच्चों के लिए स्केच प्रतियोगिता का आयोजन किया है।

इसमें बच्चों का टैलेंट उभर कर सामने आएगा। इंद्राज ने शिक्षा जगत में क्रांति लाने वाले महात्मा फुले और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने आंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में पूरे सप्ताह को सेवा के रूप में मनाने की बात कही। चित्रकला प्रतियोगिता में दिव्यांग छात्रों ने बाबा साहेब के जीवन और उनके आदर्शों को रंगों से उकेरा। यह आयोजन बाबा साहेब के जीवन से प्रेरणा लेने का अवसर रहा।

डीपीएस में फीस बढ़ोतरी के विवाद पर पूर्व सीएम केजरीवाल का फूटा गुस्सा

❖ जनभावना टाइम्स

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) में फीस बढ़ोतरी को लेकर विवाद गहरा गया है। अभिभावकों ने स्कूल के बाहर प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन ने मनमानी फीस वसूली की और बच्चों को लाइब्रेरी में बंधक बनाया।

प्रदर्शनकारी अभिभावकों का कहना है कि बढ़ी हुई फीस का विरोध करने पर उनके बच्चों को क्लासरूम में जाने से रोका गया और उन्हें लाइब्रेरी में बैठाया गया। इस मामले में अभी तक स्कूल प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक जवाब नहीं आया है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इस घटना पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने ट्वीट कर कहा कि दिल्ली के लोग फिर से पूरी तरह शिक्षा माफिया की जकड़ में हैं। शिक्षा माफिया की इतनी हिम्मत कैसे हो गई

कि हमारे बच्चों के साथ बदसलूकी करें? क्योंकि नेता और मंत्री इनकी जेब में हैं, जैसे हमारी सरकार के पहले होते थे। केजरीवाल ने एक न्यूज वेबसाइट की रिपोर्ट का हवाला देते हुए दिल्ली सरकार पर निशाना साधा।

साउथ वेस्ट दिल्ली के डीएम लक्ष्य सिंघल ने मामले की जांच की। डीएम ने पुष्टि की कि बच्चे लाइब्रेरी में बैठे थे और उन्हें क्लास में जाने की अनुमति नहीं दी गई थी। डीएम ने कहा कि जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि बच्चों को कक्षाओं में नहीं जाने दिया गया। इसकी रिपोर्ट शिक्षा विभाग को भेज दी गई है। अभिभावकों का गुस्सा तब और बढ़ गया, जब उन्हें पता चला कि स्कूल ने बिना किसी ठोस कारण के फीस में भारी बढ़ोतरी की है।

निजी स्कूलों की मनमानी पर सवाल खड़े हो रहे

प्रदर्शनकारी अभिभावकों ने स्कूल पर बच्चों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया। एक अभिभावक ने कहा कि हमने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए इस स्कूल को चुना, लेकिन अब वे बच्चों को मानसिक रूप से परेशान कर रहे हैं। इस घटना ने दिल्ली में निजी स्कूलों की मनमानी पर सवाल खड़े कर दिए हैं। शिक्षा विभाग को भेजी गई जांच रिपोर्ट के आधार पर अब आगे की कार्रवाई की उम्मीद की जा रही है। इस बीच, अभिभावकों ने सरकार से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

संपादकीय
आदित्य वशिष्ठ

बैकफुट पर डोनाल्ड ट्रंप

कहा जाता है कि जिद्द के पक्के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आमतौर पर अपने फैसलों से पीछे नहीं हटते हैं। यदि ऐसा कोई कदम उठाते हैं तो उसे असामान्य बात ही कहा जाएगा। लेकिन हाल ही में उनके उस फैसले ने सबको चौंकाया है जिसमें उन्होंने भारत और यूरोपीय संघ के सदस्यों समेत दुनिया के 60 देशों के खिलाफ घोषित 'पारस्परिक टैरिफ' को 90 दिनों को टालने की घोषणा की है। बहरहाल, उनके इस अप्रत्याशित फैसले ने वैश्विक बाजारों को राहत दी है। जो यह दर्शाता है कि अड़ियल माने जाने वाले ट्रंप प्रतिकूल वैश्विक प्रतिक्रिया और घरेलू स्तर पर लगातार तेज होती असंतोष की आवाज से पूरी तरह से बेखबर नहीं हैं। वहीं दूसरी ओर ट्रंप ने चीन के खिलाफ टैरिफ बढ़ाने की रफ्तार तेज कर दी है। अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर लगाये जाने वाले कर की दर को बढ़ाकर 125 कर दिया है। ऐसा लगता है कि चतुर सुजान ट्रंप को इस बात का अहसास हो गया है कि दुनिया के बहुत सारे देशों को नाराज करने की तुलना में एक मुख्य प्रतिद्वंद्वी पर निशाना केंद्रित करना अधिक सुरक्षित और समझदारी से भरा फैसला होता है। दरअसल, टैरिफ वॉर के बाद अमेरिका में शेयर बाजार जिस तेजी से ध्वस्त हुए हैं, उसके मद्देनजर उनके 'अमेरिका ग्रेट अगेन' के सपने को खतरा पैदा होने की आशंका पैदा हो गई है। तभी वह अपने टैरिफ थोपने के फैसले को कुछ दिनों के लिये आगे टाल रहे हैं। वैसे अभी भी यह अनुमान लगाना मुश्किल ही है कि उनकी यह नई समझदारी निरंतरता के साथ स्थायी होगी भी या नहीं। लेकिन अनिश्चय के दौर से गुजर रहे वैश्विक बाजार को कुछ समय के लिये राहत जरूर मिली है। जिसका असर दुनिया के शेयर बाजारों पर भी नजर आया है। जिससे मंदी की तरफ बढ़ रही दुनिया की अर्थव्यवस्थाएं कुछ समय तक राहत की सांस ले सकती हैं। बहरहाल, भारत ने ट्रंप के द्वारा भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ का तत्काल जवाब न देकर सकारात्मक पहल की है। ऐसा लगता है कि भारत ने ट्रंप के टैरिफ पर आक्रामक रुख अपनाने के बजाय इंतजार करने का फैसला करके समझदारी भरा कदम उठाया है। हालांकि, इस फैसले को लेकर विपक्षी आलोचना के स्वर भी सुनाए देते रहे हैं। दरअसल, दांव पर दोनों देशों के बीच होने वाला द्विपक्षीय समझौता भी है, जिस पर नई दिल्ली और वाशिंगटन काम कर रहे हैं। भारत का लक्ष्य है कि दोनों देशों के बीच व्यापार को ढाई गुना बढ़ाना है। भारत ने चतुराई से असहज स्थितियां पैदा करने वाले कारकों को टाला है। बहरहाल, हाल में मिली राहत के बीच यह सुनिश्चित करने के लिये निरंतर बातचीत की आवश्यकता होगी कि भारत को लंबे समय तक भारी टैरिफ का बोझ न उठाना पड़े। साथ ही भारतीय हितधारकों को अधिक नुकसान से भी बचाया जाना चाहिए। वहीं चीन ने अमेरिका द्वारा टैरिफ थोपे जाने के खिलाफ अंत तक व्यापार युद्ध लड़ने की कसम खाई है। उसने मौजूदा परिस्थितियों में अमेरिका विरोधी मोर्चा बनाने के लिये यूरोपीय संघ और आसियान के देशों से संपर्क साधा है। ऐसा लगता है कि चीन को इस बात का अहसास हो चला है कि टैरिफ युद्ध में वह अकेला ही अमेरिका का मुकाबला करने में सक्षम नहीं हो सकेगा।

जीवन जीने की कला सिखाते हैं राम भक्त हनुमान

हनुमान जी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए। जैसे जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का अहसास कराया, वैसे ही हमें भी अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। चाहे वह व्यक्तिगत जीवन हो, सामाजिक जिम्मेदारियां हों, या कैरियर की चुनौतियां–हनुमान जी की शिक्षाएं हर क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। हनुमान जी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी निष्ठा, नम्रता, साहस, निस्वार्थता और बुद्धि हमें यह समझाती है कि एक सार्थक जीवन कैसे जिया जा सकता है। वे हमें बताते हैं कि शक्ति का असली मतलब दूसरों की भलाई में है, और साहस का मतलब अपने डर को हराने में है। आज के समय में, जब हम तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता से घिरे हैं, हनुमान जी का जीवन और उनकी शिक्षाएं एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमें सही रास्ता दिखाती हैं। यदि हम उनके इन गुणों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर होगा, बल्कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। हनुमान जी का आशीर्वाद हमें हमेशा प्राप्त हो, और हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक संपूर्ण जीवन जी सकें।

- संदीप सृजन

हनुमान जी भारतीय संस्कृति और धर्म में एक अद्वितीय स्थान रखते हैं। रामायण के इस महान पात्र को न केवल एक शक्तिशाली योद्धा और भक्त के रूप में जाना जाता है, बल्कि वे एक ऐसे प्रेरक व्यक्तित्व भी हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी कहानियां, उनके गुण और उनका चरित्र हमें यह समझाते हैं कि जीवन की चुनौतियों का सामना कैसे करना चाहिए, अपने कर्तव्यों को कैसे निभाना चाहिए और एक संतुलित, सार्थक जीवन कैसे जीना चाहिए। हनुमान जी के जीवन से हमें जो शिक्षाएं मिलती हैं, वे आज के आधुनिक युग में भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी प्राचीन काल में थीं।

निष्ठा और समर्पण

हनुमान जी का सबसे प्रमुख गुण है उनकी भगवान राम के प्रति अटूट निष्ठा और समर्पण। रामायण में हनुमान जी का हर कार्य इस बात का प्रमाण है कि वे अपने स्वामी की सेवा में पूर्णतः समर्पित थे। चाहे वह लंका में सीता माता की खोज हो, संजीवनी बूटी लाने का कठिन कार्य हो, या रावण की सेना से युद्ध करना हो, हनुमान जी ने कभी अपने कर्तव्य से मुंह नहीं मोड़ा। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सफलता और संतुष्टि तभी मिलती है जब हम अपने लक्ष्यों, परिवार, और समाज के प्रति निष्ठावान रहते हैं।

आज के समय में, जहां लोग अक्सर स्वार्थ और तात्कालिक सुखों के पीछे भागते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें याद दिलाता है कि असली शक्ति और आनंद अपने कर्तव्यों को निभाने में है। उदाहरण के लिए, एक छात्र जो अपने अध्ययन के प्रति समर्पित रहता है, एक कर्मचारी जो अपने काम के प्रति निष्ठा रखता है, या एक माता-पिता जो अपने बच्चों की परवरिश में पूरी मेहनत करते हैं–ये सभी हनुमान जी की निष्ठा से प्रेरणा ले सकते हैं। जीवन में जब हम किसी उद्देश्य के प्रति समर्पित होते हैं, तो वह हमें एक दिशा देता है और हमारे कार्यों को सार्थक बनाता है।

विनम्रता के साथ शक्ति

हनुमान जी की शक्ति का कोई मुकाबला नहीं था। वे पहाड़ उठा सकते थे, समुद्र लांघ सकते थे, और राक्षसों की विशाल सेनाओं को परास्त कर सकते थे। लेकिन उनकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे अपनी शक्ति का कभी अहंकार नहीं करते थे। वे हमेशा नम्र बने रहे और अपनी शक्ति का उपयोग केवल दूसरों की भलाई के लिए किया। सुंदरकांड में जब वे लंका पहुंचते हैं, तो वे अपनी शक्ति का प्रदर्शन करने के बजाय पहले स्थिति को समझते हैं और फिर उचित कदम उठाते हैं।

यह हमें सिखाता है कि शक्ति तभी सार्थक है जब वह नम्रता के साथ हो। आज के समाज में लोग अक्सर अपनी सफलता, धन, या प्रभाव का दिखावा करते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें बताते हैं कि असली ताकत वह है जो दूसरों की मदद के लिए इस्तेमाल की जाए। उदाहरण के तौर पर, एक नेता जो अपनी शक्ति का उपयोग जनता की सेवा के लिए करता है, या एक शिक्षक जो अपने ज्ञान को नम्रता से छात्रों तक पहुंचाता है, वे हनुमान जी के इस गुण को अपनाते हैं। हमारे जीवन में भी, चाहे हम कितने ही सफल क्यों न हों, नम्रता हमें जमीन से जोड़े रखती है और हमारे रिश्तों को मजबूत बनाती है।

साहस और आत्मविश्वास

हनुमान जी का जीवन साहस और आत्मविश्वास की मिसाल है। जब उन्हें लंका जाने का कार्य सौंपा गया, तो शुरू में वे संकोच में थे। लेकिन जामवंत के प्रोत्साहन से उन्होंने अपनी शक्ति को पहचाना और समुद्र को लांघ कर लंका पहुंच गए। यह घटना हमें सिखाती है कि हमारे अंदर भी अपार संभावनाएं छिपी हैं, बस हमें अपने आप पर विश्वास करने की जरूरत है। हनुमान जी ने यह भी दिखाया कि साहस का मतलब सिर्फ शारीरिक बल नहीं, बल्कि मन की दृढ़ता भी है।

आधुनिक जीवन में कई बार हम मुश्किलों से घबरा जाते हैं, चाहे वह नौकरी में असफलता हो, पारिवारिक समस्याएं हों, या व्यक्तिगत चुनौतियां। हनुमान जी हमें प्रेरणा देते हैं कि हमें अपने डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक युवा जो नई नौकरी शुरू करने से डरता है, या एक उद्यमी जो व्यवसाय शुरू करने में हिचकिचाता है, वे हनुमान जी के साहस से सीख सकते हैं। आत्मविश्वास और साहस हमें न केवल मुश्किलों से लड़ने की ताकत देता है, बल्कि हमें बेहतर इंसान भी बनाता है।

निस्वार्थ सेवा

हनुमान जी का जीवन निस्वार्थ सेवा का प्रतीक है। उन्होंने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं मांगा। चाहे वह सीता माता को ढूंढना हो, लक्ष्मण के लिए संजीवनी लाना हो, या राम की सेना की मदद करना हो, हनुमान जी ने हमेशा दूसरों की भलाई को प्राथमिकता दी। उनकी यह निस्वार्थता हमें सिखाती है कि जीवन का असली सुख दूसरों की मदद करने में है।

आज के स्वार्थी युग में यह गुण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। हम अक्सर अपने लाभ के बारे में सोचते हैं, लेकिन हनुमान जी हमें याद दिलाते हैं कि जब हम दूसरों के लिए कुछ करते हैं, तो वह न केवल समाज को बेहतर बनाता है, बल्कि हमें भी आंतरिक शांति देता है। उदाहरण के लिए, एक व्यक्ति जो जरूरतमंदों की मदद करता है, या एक स्वयंसेवक जो अपने समय को समाज सेवा में लगाता है, वह हनुमान जी की इस शिक्षा को जीता है। हमारे छोटे-छोटे प्रयास, थोड़ा प्रोत्साहित करना, किसी की सहायता करना भी निस्वार्थ सेवा का हिस्सा बन सकते हैं।

बुद्धिमत्ता और विवेक

हनुमान जी केवल शक्तिशाली ही नहीं, बल्कि अत्यंत बुद्धिमान और विवेकशील भी थे। लंका में उन्होंने अपनी बुद्धि का परिचय तब दिया जब वे सीता माता से मिले और उन्हें राम का संदेश पहुंचाया। उन्होंने स्थिति को भांपकर सही समय पर सही कदम उठाया। रावण के दरबार में भी उनकी बुद्धिमत्ता और वाक्पटुता देखने लायक थी।

यह हमें सिखाता है कि जीवन में केवल शक्ति या साहस ही काफी नहीं, बल्कि बुद्धि और विवेक का होना भी जरूरी है। आज के समय में, जहां हमें हर दिन कई निर्णय लेने पड़ते हैं, हनुमान जी का यह गुण हमें सही और गलत के बीच चयन करने में मदद कर सकता है। उदाहरण के तौर पर, एक व्यवसायी को अपने व्यापार में जोखिम और लाभ का आकलन करने के लिए विवेक चाहिए, या एक छात्र को अपनी पढ़ाई के लिए सही दिशा चुनने के लिए बुद्धि की जरूरत होती है। हनुमान जी हमें सिखाते हैं कि भावनाओं में बहने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना चाहिए। हनुमान जी के जीवन की ये शिक्षाएं केवल धार्मिक या आध्यात्मिक संदर्भ तक सीमित नहीं हैं। आज के व्यस्त और तनावपूर्ण जीवन में ये हमें एक संतुलित और सकारात्मक दृष्टिकोण देती हैं। निष्ठा हमें अपने लक्ष्यों पर केंद्रित रखती है, नम्रता हमें अहंकार से बचाती है, साहस हमें चुनौतियों से लड़ने की ताकत देता है, निस्वार्थता हमें दूसरों के प्रति संवेदनशील बनाती है, और बुद्धि हमें सही मार्ग दिखाती है।

हनुमान जी का जीवन हमें यह भी सिखाता है कि हमें अपने अंदर की शक्ति को पहचानना चाहिए। जैसे जामवंत ने हनुमान जी को उनकी शक्ति का अहसास कराया, वैसे ही हमें भी अपने आसपास के लोगों और परिस्थितियों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए। चाहे वह व्यक्तिगत जीवन हो, सामाजिक जिम्मेदारियां हों, या कैरियर की चुनौतियां–हनुमान जी की शिक्षाएं हर क्षेत्र में हमारा मार्गदर्शन कर सकती हैं। हनुमान जी एक ऐसे व्यक्तित्व हैं जो हमें जीवन जीने की कला सिखाते हैं। उनकी निष्ठा, नम्रता, साहस, निस्वार्थता और बुद्धि हमें यह समझाती है कि एक सार्थक जीवन कैसे जिया जा सकता है। वे हमें बताते हैं कि शक्ति का असली मतलब दूसरों की भलाई में है, और साहस का मतलब अपने डर को हराने में है। आज के समय में, जब हम तनाव, प्रतिस्पर्धा और अनिश्चितता से घिरे हैं, हनुमान जी का जीवन और उनकी शिक्षाएं एक प्रकाश स्तंभ की तरह हमें सही रास्ता दिखाती हैं। यदि हम उनके इन गुणों को अपने जीवन में अपनाएं, तो न केवल हमारा जीवन बेहतर होगा, बल्कि हम अपने आसपास के लोगों के लिए भी प्रेरणा बन सकते हैं। हनुमान जी का आशीर्वाद हमें हमेशा प्राप्त हो, और हम उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक संपूर्ण जीवन जी सकें।

प्राइवेट सिस्टम का खेल: आम आदमी की जेब पर हमला

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत एक ऐसा देश है जहां शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है।

शिक्षा या व्यापार?

प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस-हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी 'अधिकृत वेंडर' से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाजार दर से दोगुना होता है क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं।

यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे 'अनिवार्य' बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है-और दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क, और फिर ट्यूशन-खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है-'99 प्रतिशत लाओ'। और जब ये नंबर नहीं आते, तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं, और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है।

स्वास्थ्य का नाम, व्यापार का काम

अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा 'कमाई' पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही 'पर्ची' कटती है, फिर तरह-तरह की जांचें, महंगी दवाइयां, आईसीयू, और 'एडवांस पेमेंट' की मांग-और वो भी बिना यह बताए कि मरीज की स्थिति क्या है।

सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के

बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहां तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मर्चुरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है।

सरकार की चुप्पी-क्यों?

इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता-सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल-हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है। क्यों? क्योंकि अधिकतर प्राइवेट स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल-इन सबके पीछे किसी ना किसी नेता का हाथ होता है। चाहे वह सत्ता पक्ष का हो या विपक्ष का-सिस्टम में बैठे अधिकतर लोग कहीं ना कहीं इस खेल में हिस्सेदार होते हैं। नियम-कानून बनते हैं, लेकिन उन पर अमल नहीं होता। आरटीई (शिक्षा का अधिकार कानून), सीजीएचएस (स्वास्थ्य सुविधा योजना), नैशनल मेडिकल काउंसिल-ये सब नाम भर हैं, जिनका प्रयोग प्रचार में होता है, न कि आम आदमी को राहत देने में।

मध्यम वर्ग की त्रासदी

गरीबों के लिए सरकार कभी-कभी योजनाएं बना देती है, अमीरों को कोई चिंता नहीं, लेकिन सबसे ज्यादा पिसता है मध्यम वर्ग। न उसे सरकारी स्कूल में भेजना गवारा होता है, न सरकारी अस्पताल में जाना। मजबूरी में वह प्राइवेट विकल्प चुनता है, और फिर उसी जाल में फंस जाता है-एक ऐसा जाल जिसमें न कोई नियंत्रण है, न कोई जवाबदेही। मध्यम वर्ग न तो सड़क पर उतरता है, न ही आंदोलन करता है। वह हर महीने अपनी जेब काटकर ईएमआई देता है, स्कूल की फीस चुकाता है, हॉस्पिटल के बिल भरता है, और बस यही सोचता है-'और कोई रास्ता भी तो नहीं है।'

समाधान की संभावनाएं

अगर वास्तव में इस समस्या से निपटना है, तो कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। निजी संस्थानों की पारदर्शिता-स्कूलों और अस्पतालों को अपने शुल्क और सेवाओं की जानकारी सार्वजनिक रूप से वेबसाइट और नोटिस बोर्ड पर लगानी चाहिए। एक स्वतंत्र नियामक संस्था होनी चाहिए जो फीस और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी करे। एक ऐसी प्रणाली जहां आम नागरिक अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसका समाधान समयबद्ध तरीके से हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी राजनीतिक व्यक्ति या उनके परिवार का हित इन संस्थानों से ना जुड़ा हो। जब तक आम जनता एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगी, तब तक यह लूट का सिलसिला चलता रहेगा।

शिक्षा और स्वास्थ्य कोई 'सेवा' नहीं रह गई है-यह अब एक 'सर्विस' है, जिसका मूल्य तय होता है आपकी जेब देखकर। यह स्थिति किसी भी संवेदनशील और लोकतांत्रिक समाज के लिए शर्मनाक है। जब तक हम खुद नहीं जागेंगे, आवाज नहीं उठाएंगे, और सिस्टम से जवाबदेही नहीं मांगेंगे-तब तक यह प्राइवेट सिस्टम हमें ऐसे ही लूटता रहेगा। हमें यह समझना होगा कि दिखावे की दौड़ में शामिल होकर हम अपने बच्चों का बचपन, अपने परिवार की शांति, और अपने भविष्य की स्थिरता दांव पर लगा रहे हैं। यह समय है सवाल पूछने का, व्यवस्था को आईना दिखाने का-वरना जेब तो जाएगी ही, आत्मसम्मान भी खो जाएगा।

नवग्रहों में बृहस्पति को प्राप्त है देवगुरु का दर्जा, जानिए कैसे इस ग्रह को करें मजबूत

ज्योतिष शास्त्र में गुरु का सम्मान करने पर कुंडली में बैठे गुरु की स्थिति मजबूत होती है और व्यक्ति को इसके शुभ फल मिलते हैं। वहीं किसी से जाने या अंजाने में गुरु का अपमान होता है, तो गुरु कमजोर होता है और कुंडली में बैठे सबल ग्रह भी अच्छे परिणाम नहीं दे पाते हैं। बता दें कि नवग्रह में हर ग्रह किसी न किसी मानवीय रिश्ते या पद का प्रतिनिधित्व करते हैं। ज्योतिष में बृहस्पति गृह को देवताओं का गुरु माना जाता है। वहीं बृहस्पति को गुरु ग्रह भी कहा जाता है। गुरु ग्रह धरती पर सभी गुरुओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। गुरु का सम्मान करने पर गुरु ग्रह जातक के ज्ञान में वृद्धि करते हैं और शिक्षा आदि के क्षेत्र में सफलता मिलती है। ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति यानी की गुरु ग्रह को ज्ञान का कारक कहकर परिभाषित किया गया है। गुरु ग्रह को सबसे ज्यादा शुभ ग्रह माना जाता है और इसकी दृष्टि कल्याणकारी होती है। कुंडली में गुरु ग्रह जिस स्थान को देखता है, उस स्थान के शुभ प्रभावों में वृद्धि करता है। यदि किसी जातक की कुंडली में गुरु ग्रह उच्च यानी की बलवान होता है, तो ऐसा व्यक्ति ज्ञानवान और सद्गुण संपन्न होता है। क्योंकि बृहस्पति नवग्रह से सबसे ज्यादा शुभ ग्रह है। यह ग्रह विवाह और संतान का भी कारक है। अगर किसी जातक की शादी में देरी हो रही है, तो उसको गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु मंत्र प्राप्त करके गुरु पूजन करना चाहिए और गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करना चाहिए। इससे विवाह में होने वाली देरी खत्म हो जाती है। जिन जातकों की कुंडली में गुरु ग्रह कारक अवस्था में होता है, उनको गुरु पूर्णिमा के दिन दाहिने हाथ की तर्जनी उंगली में पुखराज या उपरत्न सुनहला धारण करना चाहिए। क्योंकि गुरु ग्रह के अशुभ होने पर जातक की शिक्षा में अवरोध आने लगता है। कन्या की कुंडली में गुरु ग्रह से उसके पति का विचार किया जाता है। जिस कन्या की कुंडली में गुरु ग्रह अशुभ यानी नीच के होते हैं, उसके विवाह में बाधा या रुकावट उत्पन्न होने लगती है। ऐसे में गुरु ग्रह के शुभ फल पाने के लिए जातक को गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु का आशीर्वाद जरूर लेना चाहिए। जिससे कि कुंडली में बैठा गुरु आपको शुभ फल दे सके।

आज का इतिहास

1945 – अमेरिका का ओकीनावा पर आक्रमण
1991 – खाड़ी युद्ध औपचारिक रूप से समाप्त।
1998 – गिरिजा प्रसाद कोइराला नेपाल के नये प्रधानमंत्री नियुक्त।
2006 – साइप्रस के राष्ट्रपति तासोस पापादोलस 6 दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे।
2007 – पाकिस्तान ने ईरान गैस पाइपलाइन पर भारत को मंजूरी दी।
2008 – भारतीय मूल के ब्रिटिश उद्योगपति और सांसद लॉर्ड स्वराजपाल के स्वामित्व वाले केपेरो समूह ने पश्चिम बंगाल के सिंगूर में मोटर वाहन के पुर्जे बनाने की तीन इकाइयों को लगाने का फैसला किया।
2010 – लुधियाना, पंजाब (भारत) के गुरु नानक देव स्टेडियम में भारतीय कबड्डी टीम ने पाकिस्तान की टीम को 58-24 से पराजित कर प्रथम विश्व कप कबड्डी प्रतियोगिता जीत ली।
2014 – मशहूर गीतकार गुलज़ार को वर्ष 2013 के लिए दादा साहब फाल्के पुरस्कार दिया गया।

जन्म

1885 – राखालदास बंद्योपाध्याय- प्रसिद्ध भारतीय इतिहासकार तथा पुरातत्त्ववेत्ता।
1910 – केदार शर्मा- भारतीय फिल्म निर्देशक, निर्माता, पटकथा लेखक और हिंदी फिल्मों के गीतकार।
1935 – लालजी टंडन- वरिष्ठ राजनीतिज्ञों में से एक थे।

निधन

2023 – उत्तरा बाओकर- भारतीय रंगमंच, फिल्म और टेलीविजन अभिनेत्री थीं।
2006 – राजकुमार- कन्नड़ फिल्मों के अभिनेता।
1978 – ताज भोपाली- सुप्रसिद्ध शायर।

आरबीआई ने किया मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर से उदार

- प्रहलाद सबनानी

9 अप्रैल को भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति की द्विमासिक बैठक में एकमत से निर्णय लेते हुए रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6.25% से घटाकर 6% कर दिया है एवं इस मौद्रिक नीति में स्टैन्स को स्थिर (स्टेबल) से उदार (अकोमोडेटिव) कर दिया है। इसका आशय यह है कि आगे आने वाले समय में आरबीआई रेपो दर में वृद्धि नहीं करते हुए इसे या तो स्थिर रखेगा अथवा इसमें कमी की घोषणा करेगा। भारत में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने में मिली सफलता के चलते आरबीआई द्वारा यह निर्णय लिया जा सका है।

हाल ही के समय में अमेरिका द्वारा अन्य देशों से आयातित वस्तुओं पर भारी भरकम टैरिफ लगाने की घोषणा की गई है जिससे पूरे विश्व भर के लगभग समस्त देशों के शेयर बाजार में हाहाकार मच गया है एवं शेयर बाजार लगातार नीचे की ओर जा रहे हैं। ऐसे माहौल में आरबीआई द्वारा रेपो दर में कमी करने की घोषणा एक उचित कदम ही कहा जाना चाहिए। वैसे भारत में मुद्रा स्फीति अब नियंत्रण में भी आ चुकी है एवं आगे आने वाले मानसून के दौरान भारत में सामान्य (103%) बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। इस वर्ष रबी के मौसम में गेहूं की बम्पर पैदावार होने का अनुमान लगाया गया है, सब्जियों एवं फलों की कीमत भारतीय बाजारों में कम हुई है, अतः कुल मिलाकर खुदरा महंगाई की दर 4% से भी नीचे आ गई है। आरबीआई द्वारा भी वर्ष 2025-26 में भारत में मुद्रा स्फीति की दर के 4% के नीचे रहने का अनुमान लगाया गया है। साथ ही, वैश्विक स्तर पर लगातार बदल रहे घटनाक्रम के चलते कच्चे तेल के दाम भी तेजी से घटे हैं और यह 75 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल से घटकर 60 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर आ गए हैं। भारत के लिए यह बहुत अच्छी खबर है, क्योंकि, इससे विनिर्माण इकाईयों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी तथा देश में ईंधन की कीमतें कम होंगी और अंततः मुद्रा स्फीति की दर में और अधिक कमी होगी। भारतीय रिजर्व बैंक के लिए इससे आगामी मौद्रिक नीति के माध्यम से रेपो दर में और अधिक कटौती करना सम्भव एवं आसान होगा।

वैश्विक स्तर पर अमेरिका द्वारा छेड़े गए व्यापार युद्ध का भारतीय अर्थव्यवस्था पर बहुत अधिक विपरीत प्रभाव पड़ने की सम्भावना नहीं है और आरबीआई के आंकलन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की आर्थिक विकास दर 6.5% रह सकती है और पूर्व में इसके 6.7% रहने का अनुमान लगाया गया था, अर्थात, अमेरिका द्वारा अपने देश में होने वाले आयात पर लगाए गए टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर केवल 0.2% का असर होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। भारतीय अर्थव्यवस्था दरअसल निर्यात पर बहुत अधिक निर्भर भी नहीं है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 16-17% भाग ही अन्य देशों को निर्यात किया जाता है। इसमें से भी अमेरिका को तो भारत के सकल घरेलू उत्पाद का केवल लगभग 2% भाग ही निर्यात होता है। अतः ट्रंप प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों पर अलग अलग दर से लगाए गए टैरिफ का भारतीय अर्थव्यवस्था पर नगण्य सा प्रभाव पड़ने की सम्भावना है।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित समस्याओं के बीच भी अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अनुमान लगाया है कि वर्ष 2028 तक भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.5% की वृद्धि दर बनी रहेगी। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में 100% की वृद्धि दर्ज हुई है। इस वर्ष के अंत तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद का स्तर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच जाएगा, जो भारतीय रुपये में लगभग 360 लाख करोड़ रुपये बनता है। वर्ष 2015 से लेकर वर्ष 2024 तक के पिछले 10 वर्षों के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना हो गया है। वर्ष 2015 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.10 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर (रुपये 180 लाख करोड़) का था और भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में 10वें क्रम पर था। वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार दुगना होकर 4.27 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर रहने का अनुमान लगाया गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान केंद्र सरकार ने आर्थिक एवं वित्तीय क्षेत्र में कई सुधार कार्यक्रम लागू किए हैं जिससे विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में सुधार दृष्टिगोचर हुआ है। साथ ही, भारत में आधारभूत संरचना खड़ी करने के लिए केंद्र सरकार के पूंजीगत खर्च में भारी भरकम वृद्धि दर्ज हुई है। देश में विदेशी निवेश का लगातार विस्तार हो रहा है और रोजगार के अवसरों में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है।

भारत में विनिर्माण के क्षेत्र में नई इकाईयों की स्थापना को प्रोत्साहन देने के लिए उत्पादन प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) लागू की गई है। मुद्रा योजना के अंतर्गत केंद्र सरकार की गारंटी पर भारतीय बैकों (निजी एवं सरकारी क्षेत्र के बैकों सहित) ने 33 लाख करोड़ रुपये के ऋणों का वितरण किया है। भारत में अनियमित जलवायु परिस्थितियों के बीच भी पिछले 10 वर्षों के दौरान कृषि के क्षेत्र में विस्तार हुआ है जिससे किसानों की आय को स्थिर रखने में सफलता मिली है। साथ ही, गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन कर रहे नागरिकों की केंद्र सरकार ने विशेष सरकारी योजनाओं एवं सब्सिडी के माध्यम से बहुत अच्छे स्तर पर सहायता की है। इससे इस श्रेणी के कई परिवार अब मध्यम श्रेणी में आ गए हैं एवं भारत में विभिन्न उत्पादों की मांग की वृद्धि में सहायक बन रहे हैं। देश में लागू किए गए डिजीटलाईजेशन से भी भारत में किए जाने वाले लेनदेन के व्यवहारों में पारदर्शिता आई है और इससे भारत में वस्तु एवं सेवा कर एक उपलब्धि सिद्ध हुआ है। आज भारत में वस्तु एवं सेवा कर के माध्यम से लगभग 2 लाख करोड़ रुपये का अप्रत्यक्ष कर संग्रहित हो रहा है तथा इससे देश में बुनियादी ढांचे को विकसित करने में भरपूर सहायता मिली है।

भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के पश्चात विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। पिछले 10 वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था ने लम्बी छलांग लगाते हुए, विश्व में 10वें से आज 5वें स्थान पर आ गई है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकलन के अनुसार पिछले 10 वर्षों में भारत का सकल घरेलू उत्पाद 100% बढ़ा है तो अमेरिका का 65.8%, चीन का 75.8%, जर्मनी का 43.7% और जापान का केवल 1.3% बढ़ा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2025 एवं 2026 में भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.5% प्रतिवर्ष की बनी रहेगी, इस प्रकार भारत वर्ष 2026 में जापान को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं वर्ष 2028 में जर्मनी को पीछे छोड़कर भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। जर्मनी, जापान एवं भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बहुत ही थोड़ा अंतर है। जापान का सकल घरेलू उत्पाद 4.4 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, जर्मनी का सकल घरेलू उत्पाद 4.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है, वहीं भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक आदित्य वशिष्ठ द्वारा सांई प्रिंटिंग प्रेस, बी-42 सेक्टर -7 नोएडा (गौतमबुद्ध नगर) उत्तर प्रदेश-201301 से मुद्रित व बी-142/2, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित।
संपादकीय एवं संपर्क कार्यालय ए-152 सेक्टर-63, नोएडा-201301 **संपादक - आदित्य वशिष्ठ** कानूनी सलाहकार-पवित्र मोहन शर्मा आर.एन.आई. DELHIN/2012/42452
इस अंक में प्रकाशित सभी समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी होंगे। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे। e-mail: Jbttimes2021@ gmail. Com

काशी का कलेवर बदला, नई काशी देखने के लिए हर श्रद्धालु उतावला: सीएम योगी

वाराणसी। महाकुंभ के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहली बार शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र काशी पहुंचने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि विगत 11 वर्षों में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में हुए विकास से काशी का कलेवर बदल गया है और अब नई काशी और उसके नए कलेवर को देखने के लिए पूरे देश के श्रद्धालु उमड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर किसी ने पिछले 11 वर्ष में बदलती हुई काशी को देखा है। यह वही काशी है, जो संकरी गलियों के लिए जानी जाती थी, अपने जाम के लिए जानी जाती थी। काशी शिक्षा का प्राचीन केंद्र रही है, लेकिन अस्त-व्यस्त पड़े शिक्षा के केंद्रों के साथ ही स्वास्थ्य के लिए, पर्यटन के लिए, कनेक्टिविटी के लिए पिछले 11 वर्षों में यहां 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाएं आई हैं। उन्होंने कहा कि आज भी प्रधानमंत्री के कर कमलों से काशी में लगभग 4000 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हो रहा है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री मोदी को राधा-कृष्ण की लीलाओं से आच्छादित अंगवस्त्र पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट करके उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। प्रधानमंत्री को स्मृति चिह्न के रूप में वाराणसी की 'जीआई टैग' प्राप्त काष्ठकला के तहत निर्मित कमल छत्र भेंट किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा, महाराष्ट्र और दिल्ली विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक विजय के साथ ही दिव्य और भव्य महाकुंभ के आयोजन के उपरांत प्रधानमंत्री की यह पहली काशी यात्रा है। उन्होंने कहा कि दिव्य और भव्य महाकुंभ के इस आयोजन में काशी भी इसका साक्षी बना। देश और दुनिया से आने वाला हर श्रद्धालु पिछले 11 वर्ष में प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस नई काशी और बाबा विश्वनाथ की पावन धरा को नए कलेवर के रूप में देखने को उतावला दिखाई दे रहा था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 45 दिनों के इस आयोजन के अवसर पर काशी में भी एक महा समागम दिखाई दे रहा था और इस दौरान तीन करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं ने यहां स्थित बाबा विश्वनाथ के पावन धाम के दर्शन किये। योगी ने कहा कि महाकुंभ की सफलता, उसकी भव्यता और उसकी दिव्यता प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन और नेतृत्व में एक नई ऊंचाई को छूती हुई दिखाई दी। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना के बाद हर श्रद्धालु जिसने मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगाई उसने अपने आप को अभिभूत होता हुआ पाया। उन्होंने कहा कि नमामि गंगे परियोजना की सफलता के कारण महाकुंभ भी आज सफल हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि काशी और उत्तर प्रदेश के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री जी के प्रयास सार्थक साबित हुए हैं।

उन्होंने कहा कि काशी और उसके अगल-बगल के जनपदों को सर्वाधिक जीआई टैग अब तक प्राप्त हो चुके हैं और उत्तर प्रदेश, देश के अंदर जीआई टैग में नंबर एक स्थान हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के कर कमलों से आज 21 नए जीआई टैग के प्रमाणपत्र प्रदान किए जा रहे हैं। स्थानीय हस्तशिल्पियों और कारीगरों के उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान दिलाने के लिए यह प्रयास किए गए हैं। योगी ने कहा कि आयुष्मान भारत एक गरीब को स्वास्थ्य की सुविधा उपलब्ध कराने के लिहाज से मील का पत्थर साबित हुआ है। देश के अंदर 50 करोड़ से अधिक लोग और उत्तर प्रदेश के 10 करोड़ से अधिक लोग इस योजना से सीधे-सीधे लाभान्वित हुए हैं।

उत्तर प्रदेश समेत पूरे देश में अब 'वय वंदना योजना कार्ड' के माध्यम से 70 वर्ष से अधिक उम्र के प्रत्येक बुजुर्ग को 5,00,000 रुपये की स्वास्थ्य सुविधा प्रदान की गई है और काशी में अब तक 50,000 से अधिक बुजुर्गों ने इसका कार्ड बनवा लिया है।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकर भाई चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह मौजूद रहे।

वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भोजपुरी अंदाज ने जनता का जीता दिल

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने 50वें वाराणसी दौरे के अवसर पर एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया कि काशी से उनका गहरा जुड़ाव है और जनता में उनके प्रति जबरदस्त उत्साह बना हुआ है। मेंहदीगंज राजातालाब में आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने परम्परागत 'हर-हर महादेव' के उद्घोष और भोजपुरी भाषा में लोगों को संबोधित कर सबका दिल जीत लिया। प्रधानमंत्री ने भावुक अंदाज में भोजपुरी में कहा कि आप सब लोग हमें आपन आशीर्वाद देत बानी, हम ई प्रेम के कर्जदार हईं। काशी हमार हौ, हम काशी के हईं। काशी हमार हौ, हम काशी के हौ। संकटमोचन के दर्शन का सौभाग्य मिला। काशी की जनता आज विकास का उत्सव मनाने यहां इकट्ठी हुई है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में पूर्वांचल के समग्र विकास की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि आज काशी सिर्फ पुरातन नहीं प्रगतिशील भी है। पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे के केंद्र में है। काशी के स्वयं महादेव रखवाले हैं। काशी और पूर्वांचल के अनेक हिस्सों में जुड़ी ढेर सारी परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हुआ है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी को मजबूती देने वाले अनेक इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट गांव गांव, हर घर नल से जल पहुंचने का अभियान, शिक्षा स्वास्थ्य और खेल सुविधाओं का विस्तार हुआ है। हर क्षेत्र हर परिवार हर युवा को बेहतर सुविधाएं देने का संकल्प है। यह सारी बातें, यह सारी योजनाएं पूर्वांचल को विकसित पूर्वांचल बनाने की दिशा में मिल का पत्थर बनने वाली है। प्रधानमंत्री ने कहा कि काशी की धरती पर आधुनिकता और परंपरा का अद्भुत संगम हो रहा है। काशी के हर नागरिक को इन योजनाओं से प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। सभा में युवाओं और स्थानीय लोगों का उत्साह देखते ही बन रहा था। 'मोदी-मोदी' के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। प्रधानमंत्री का भाषण सुनने 50 हजार से अधिक की संख्या में लोग उमड़े। मंच से प्रधानमंत्री मोदी ने जनसभा में काशीवासियों और समस्त पूर्वांचलवासियों को इन विकास कार्यों के लिए बधाई दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने वाराणसी पहुंचते ही सामूहिक दुष्कर्म मामले पर अधिकारियों से ली जानकारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान सख्ती दिखाते हुए हाल ही में शहर में हुई सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर गंभीर रुख अपनाया। बाबतपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर विमान से उतरते ही उन्होंने पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल, मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा और जिलाधिकारी एस. राजलिंगम से इस मामले की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने सभी दोषियों को चिह्नित करते हुए उन पर कड़ी कार्रवाई करने और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृति न हो इसके लिए निर्देशित किया। प्रधानमंत्री ने यह भी संकेत दिया कि कानून व्यवस्था के मामले में कोई भी ढिलाई स्वीकार नहीं की जाएगी। यहां उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी अपनी संसदीय सीट वाराणसी की हर छोटी-बड़ी घटना पर लगातार नजर बनाए रखते हैं। व्यस्त कार्यक्रमों के बावजूद वह समय-समय पर प्रशासनिक अधिकारियों, भाजपा पदाधिकारियों तथा शहर के गणमान्य नागरिकों से संवाद करते रहते हैं, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही बनी रहे और आम जनता का भरोसा कायम रहे।

सपा का सपना वंशवाद बढ़ाना, हमारा सपना राष्ट्र को गौरवशाली बनाना: स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज। भाजपा प्रदेश सरकार के आठ वर्षों व केंद्र सरकार के 11 साल की उपलब्धियों को बताने घर-घर लाभार्थी सम्पर्क अभियान के तहत शुक्रवार को चाका मंडल के डभांव में प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह रूबरू हुए। क्षेत्रवासियों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि हम जातिवाद, वंशवाद, परिवारवाद, क्षेत्रवाद के लिए काम नहीं करते। सपा का सपना है वंशवाद को बढ़ाना। हमारा सपना है इस राष्ट्र को गौरवशाली बनाना, गरीब को खुशहाल रखना। उन्होंने आगे कहा कि अटल बिहारी बाजपेई ने नई पार्टी बनाकर कार्यकर्ताओं के कारवां को रुकने नहीं दिया। एक दिन दो सीटें लाकर कमल खिलाकर सदन में पहुंचे तो लोग चिढ़ाते थे 'हम दो, हमारे दो'। अटलजी ने कहा था अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। पहली बार अटल बिहारी वाजपेई ने शक्ति का अहसास दुनिया को कराया कि भाजपा की ताकत क्या होती है। किसी के सामने सिर नहीं झुकाया और पोखरण परीक्षण करके दिखाया।

इसी सदन में सोनिया गांधी एवं पूरे विपक्ष ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई साम्प्रदायिक हैं और समर्थन वापस ले लिया। तब इसी सदन में उन्होंने कहा था कि मैं साम्प्रदायिक हूं चूंकि मैं राम की बात करता हूं, मै भारत माता की जय करता हूं तो साम्प्रदायिक हूं, मैं वंदेमातरम की बात करता हूं तो साम्प्रदायिक हूं, मैं राम मंदिर निर्माण की बात करता हूं तो साम्प्रदायिक हूं। 370 धारा हटाने की बात करता हूं तो साम्प्रदायिक हूं, मैं हिंदू हूं अपने को हिंदू कहता हूं तो साम्प्रदायिक हूं, तो मैं साम्प्रदायिक हूं। आज सुशासन की नींव रखी जा रहीं है पूरा देश देख रहा है। 40 वर्षो में नेहरू से लेकर इंदिरा तक कोई अटलजी के ऊपर किसी प्रकार आरोप नहीं लगा पाए और सोनिया ने ऐसा कहा जिसे देश कभी भूलेगा नहीं और अटलजी वह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि अटलजी पार्टी को मां समझकर कार्य करते थे। देश के गृहमंत्री अमित शाह बूथ अध्यक्ष से राष्ट्रीय अध्यक्ष और मंत्री बने और नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने तो एक झटके में धारा 370 हटाकर तिरंगा झंडा फहरा दिया। राम मंदिर का भव्य निर्माण हो रहा है। तीन तलाक समाप्त हुआ। लंदन की धरती पर जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उतरते हैं तब भारत माता की जय, वन्देमातरम और तिरंगा फहरता है। उन्होंने केंद्र राज्य सरकार की उपलब्धियों को बताया। अध्यक्षता बूथ अध्यक्ष अर्जुन भारतीया एवं देशराज पटेल ने किया। स्वागत सम्बोधन जिलाध्यक्ष यमुनापार राजेश शुक्ल ने करते हुए कैबिनेट मंत्री का आभार जताते हुए भरोसा दिलाया कि यमुनापार के कार्यकर्ताओं के सहयोग से संगठन प्रत्येक बूथों पर सरकार की योजनाओं को बताने गांव गली, कस्बे मुहल्ले में घर-घर जा रहे हैं।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने बूथ समितियों संग बैठक, गांव सम्पर्क अभियान के साथ साथ लाभार्थियों से मिलकर संवाद स्थापित करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लिया। इस अवसर पर इलाहाबाद लोकसभा प्रत्याशी रहे नीरज त्रिपाठी, महापौर गणेश केसरवानी, विधायक पीयूष रंजन निषाद, काशी क्षेत्र महामंत्री संतोष सिंह पटेल, क्षेत्रीय अध्यक्ष पिछड़ा मोर्चा अश्वनी सिंह पटेल सहित भारी संख्या में ग्रामीण एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस पार्टी का विरोध प्रदर्शन

जालौन। महंगाई और गैस सिलेंडर के बढ़े दामों को लेकर शुक्रवार को जिले में कांग्रेस पार्टी ने हल्ला बोल प्रदर्शन किया। उरई कलेक्ट्रेट परिसर में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने महंगाई के विरोध किया।

प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान खाली गैस सिलेंडर के साथ प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। मौके पर पुलिस बल मौजूद रहा। जिलाध्यक्ष अरविंद सेंगर ने कहा कि आम जनता महंगाई से त्रस्त है, लेकिन भाजपा सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने सरकार बनने से पहले अपने घोषणा पत्र में 500 रुपये में रसोई गैस देने का वादा किया था, लेकिन अब उल्टे दाम बढ़ा रही है। रसोई गैस के दामों में लगातार हो रही बढ़ोतरी से घरेलू बजट बिगड़ गया है।

प्रदर्शनकारियों ने सरकार से मांग की कि गैस, पेट्रोल समेत जरूरी वस्तुओं के दाम कम किए जाएं। इस दौरान काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मुठभेड़ में गोली लगने से बदमाश घायल

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र के भीतरगांव में गुरुवार और शुक्रवार की दरमियानी रात चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। घटना में एक बदमाश के पैर पर गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि दो साथी पुलिस पर फायर करते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने शुक्रवार को बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान दो बाइक पर सवार तीन संदिग्ध युवक धरमपुर बंबा की तरफ आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन लोगों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। इस बीच अंधेरे का फायदा उठाकर पकड़े गए आरोपित के दो साथी मौके से फरार हो गए। घायल बदमाश की पहचान बिधनू थाना क्षेत्र में रहने वाले चंद्रशेखर उर्फ नितिन के रूप में हुई। पकड़े गए आरोपित के पास से 315 बोर का एक देशी तमंचा और दो कारतूस बरामद हुए हैं। अभियुक्त पर पहले से ही मारपीट और चोरी की धाराओं में 11 मुकदमे दर्ज हैं। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मौके से फरार उसके दो अन्य साथियों की तलाश कर रही है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा, पुलिस बताए चार्जशीट दाखिल करने में लगभग सात साल क्यों लगे?

दहेज मामले में 10 साल की देरी के लिए पुलिस और मजिस्ट्रेट को लगाई फटकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में 16 दिसंबर 2014 को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद, पुलिस द्वारा आरोप पत्र लगभग सात साल बाद 24 जून 2021 को दायर करने पर पुलिस की कार्यशैली को लेकर गम्भीर टिप्पणी की है।

हाईकोर्ट ने दहेज उत्पीड़न के एक मामले में कृष्ण कुमार एवं अन्य की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि आरोप पत्र दाखिल करने में लगभग सात वर्षों की अत्यधिक देरी तथा कोर्ट के संज्ञान लेने में अतिरिक्त तीन वर्षों की देरी पुलिस और निचली अदालत दोनों की 'सरासर लापरवाही' को दर्शाती है।

यह मामला 2014 में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498 ए, 323, 504, 506 और दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3/4 के तहत प्रयागराज जिले के थरवई पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित है।

16 दिसंबर, 2014 को एफआईआर दर्ज होने के बावजूद, आरोप पत्र 24 जून, 2021 को दाखिल किया गया। चार्जशीट लगभग सात साल बाद दाखिल की गई। देरी को और बढ़ाते हुए मजिस्ट्रेट ने आरोप पत्र दाखिल होने के लगभग तीन साल बाद 12 मार्च, 2024 को संज्ञान लिया।

न्यायमूर्ति अरुण कुमार सिंह देशवाल की कोर्ट ने कहा कि यह तथ्य पुलिस के साथ-साथ संबंधित अदालत की ओर से घोर लापरवाही दर्शाता है। अदालत ने निर्देश दिया कि डीसीपी, गंगापार अपना व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करे जिसमें कारण का उल्लेख किया जाए कि पुलिस को आरोप पत्र प्रस्तुत करने में लगभग सात साल क्यों लगे। जबकि एफआईआर 16 दिसंबर 2014 को दर्ज की गई थी। इसके साथ ही कोर्ट ने जिला न्यायाधीश, इलाहाबाद को आरोप पत्र पर संज्ञान लेने में तीन वर्ष की देरी के सम्बंध में संबंधित मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगने तथा रजिस्ट्रार (अनुपालन) को इलेक्ट्रॉनिक रूप से रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

मामले को 21 अप्रैल को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है। इस बीच, रजिस्ट्रार (अनुपालन) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि अदालत के आदेश की प्रतियां तत्काल अनुपालन के लिए डीसीपी और जिला न्यायाधीश दोनों को भेजी जाएं।

स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस ने कलेक्ट्रेट पर किया प्रदर्शन

जौनपुर। कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को निजी स्कूल और कॉलेजों में मनमानी फीस वृद्धि के विरोध में कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं ने इस दौरान उच्च शिक्षा मंत्री और सरकार विरोधी नारे लगाए।

कार्यकर्ताओं का कहना है कि निजी स्कूलों की मनमानी से अभिभावक परेशान हैं। बढ़ी हुई फीस के कारण वे बच्चों का खर्च नहीं उठा पा रहे हैं। कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें मांग की गई कि जिला प्रशासन मनमानी करने वाले स्कूल संचालकों के खिलाफ कार्रवाई करें।

जिलाध्यक्ष प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि निजी विद्यालयों में लूट मची हुई है। स्कूल फीस के नाम पर डोनेशन ले रहे हैं। अंग्रेजी और हिंदी माध्यम के स्कूलों में अलग-अलग फीस वसूली जा रही है। इसको लेकर आज कार्यकर्ताओं के साथ सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को ज्ञापन सौंपा गया है।

रिटायर्ड फौजी ने गोली मारकर की खुदकुशी

जालौन। कैलिया थाना क्षेत्र के ग्राम खैरी में रिटायर्ड फौजी सीता राम ने शुक्रवार को तमंचे से गोली मारकर खुदकुशी कर ली। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। सेना से सेवानिवृत्त सीताराम वर्तमान में सरकारी राशन की दुकान चला रहे थे। आज उन्होंने अपने घर में तमंचे से गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने सीता राम का शव खून से लथपथ देखा और सूचना पुलिस को दी। मौके पर कैलिया थानाध्यक्ष अतुल कुमार और कोंच क्षेत्राधिकारी डॉ देवेंद्र पचौरी फोर्स और फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने मामले की जांच करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार ने बताया कि परिजनों से पता चला है कि सीताराम पिछले कई वर्षों से बीमार चल रहे हैं, इसी वजह से उन्होंने यह कदम उठाया है।

पिछली सरकारों में व्याप्त था गुण्डागर्दी एवं भ्रष्टाचार: नंदी

प्रयागराज। केंद्र में मोदी और प्रदेश में जब से योगी सरकार बनी है तब से लगातार परिर्वतन हो रहें हैं। सरकार सबका साथ सबका विकास करना चाह रही है। पिछली सरकारों में सरकारी नौकरी में भ्रष्टाचार, दलाली, गुण्डागर्दी के अतिरिक्त कुछ भी नहीं मिला। लेकिन अब पारदर्शिता आई है और योग्यता के आधार नौकरी मिल रही है। यह बात शुक्रवार को केपी कम्यूनिटी सेंटर प्रयागराज में उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ द्वारा दो दिवसीय आयोजित 62 वां प्रांतीय महाधिवेशन एवं शैक्षिक विचार गोष्ठी को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने कही।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों की 24 सूत्रीय मांग पत्र उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंचाऊंगा और हमारा प्रयास रहेगा कि आप की जो भी मांगे हैं, उनपर गम्भीरता से विचार किया जाय और आने वाले समय में सकारात्मक परिणाम शिक्षकों के समाने आए। लेकिन शिक्षकों का पूरा सहयोग मिले। जिससे निकलने वाले छात्र छात्राएं देश को एक अच्छी दिशा दे सकें।

इस मौके पर उतर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश महामंत्री लाला मणि मिश्रा ने शिक्षक संघ की मांगों को उठाते हुए पुरानी पेंशन, मजबूत सेवा, समान वेतन एवं व्यवस्था लागू करने की मांग रखी। शिक्षक संघ ठकुराई गुट के अध्यक्ष जगदीश पांडेय ने शिक्षकों की समस्याओं को उजागर करते हुए समाधान का रास्ता निकलने की मांग किया है।

इस मौके पर एमएलसी देवेन्द्र प्रताप सिंह ने शिक्षा को भारतीय परम्परा एवं सांस्कृतिक उद्गम स्थल, धर्म की नगरी प्रयागराज से शिक्षकों की मांग को दोहराया और कहा कि शिक्षक तनाव मुक्त होगा तो आत्मनिर्भर भारत बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे पूर्व एक पुस्तक का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम संयोजक आद्या प्रसाद मिश्र, सह संयोजक डॉ सुनील कुमार शुक्ला, प्रदेश कोषाध्यक्ष अयोध्या प्रसाद अग्रवाल, समेत संघ के सभी पदाधिकारी और प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए भारी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

विदेश मंत्री ने वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन के एक संवाद सत्र में कहा

अमेरिका, यूरोपीय संघ से व्यापार समझौते महत्वपूर्ण, भारत तत्परता से कर रहा काम

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते महत्वपूर्ण हैं और भारत इस पर बहुत तत्परता से काम कर रहा है। इसके साथ ही जयशंकर ने कहा कि भारत के साथ संभावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर रखे गए प्रस्ताव पर ट्रंप प्रशासन ने तेजी से प्रतिक्रिया दी है।

जयशंकर ने यहां आयोजित 'वैश्विक प्रौद्योगिकी शिखर सम्मेलन' के एक संवाद सत्र में कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका ने दुनिया के साथ जुड़ने के अपने दृष्टिकोण को मौलिक रूप से बदल दिया है और इसका प्रत्येक प्रमुख क्षेत्रों, खासकर प्रौद्योगिकी क्षेत्र में असर है। जयशंकर की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब शुल्क पर ट्रंप की नीति ने बड़े पैमाने पर व्यापार व्यवधानों और वैश्विक आर्थिक मंदी की आशंकाओं को जन्म दिया है। ट्रंप ने चीन को छोड़कर सभी देशों पर शुल्क लगाने के अपने फैसले को 90 दिनों के लिए टालने की घोषणा कर दी है। इससे व्यापार गतिरोध में तात्कालिक राहत मिलने की उम्मीद है। जयशंकर ने अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते पर बातचीत का कोई ब्योरा न देते हुए संकेत दिया कि भारत इसे जल्द-से-जल्द तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाने को उत्सुक है। मंत्री ने कहा कि अमेरिका में सरकार बदलने के एक महीने के भीतर ही हमने द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने को लेकर वैचारिक रूप से एक समझौता कर लिया है। हम एक ऐसा समाधान खोजेंगे जो हम दोनों देशों के लिए कारगर होगा क्योंकि हमारी भी अपनी चिंताएं हैं। यह कोई हमेशा चलने वाली प्रक्रिया नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने ट्रंप प्रशासन के पहले कार्यकाल में भी चार साल तक बातचीत की। उनके पास हमारे बारे में अपना दृष्टिकोण है और स्पष्ट रूप से हमारे पास उनके बारे में अपना नजरिया है। हालांकि उस समय समझौता नहीं हो पाया। जयशंकर ने मुक्त व्यापार समझौते की दिशा में यूरोपीय संघ के साथ भारत की बातचीत का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा कि यदि आप यूरोपीय संघ को देखें, तो अक्सर लोग कहते हैं कि हम 23 साल से इस समझौते पर बात कर रहे हैं। यह पूरी तरह सच नहीं है, क्योंकि लंबे समय तक इस बारे में कोई किसी से बात भी नहीं कर रहा था। लेकिन वे बहुत लंबी प्रक्रियाएं रही हैं। जयशंकर ने कहा कि इस बार, हम निश्चित रूप से काफी तत्पर हैं। मेरा मतलब है, हमें यहां अवसर दिख रहा है।

हमारी व्यापार वार्ता से जुड़ी टीम वास्तव में उत्साहित है, वे जो हासिल करना चाहते हैं, उसको लेकर काफी महत्वकांक्षी हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि हम प्रत्येक मामले में इसे गति देने का प्रयास कर रहे हैं। पहले हमारे बारे में यह शिकायत की जाती थी कि हम ही इसे धीमा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वास्तव में, आज स्थिति अलग है। हम तीनों पक्षों (अमेरिका, यूरोपीय संघ, ब्रिटेन) को इन समझौतों की तात्कालिकता से अवगत कराने की कोशिश कर रहे हैं। जयशंकर ने कहा कि मेरी समझ में शायद अन्य पक्षों की प्रतिक्रिया भी यही है। कम-से-कम अमेरिका ने अब तक जो भी कदम उठाए हैं, उससे लगता है कि उसने उस पर प्रतिक्रिया देने में काफी तेजी दिखाई है।

अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध गहराने से सोना 6,250 रुपये उछलकर 96 हजार रुपये के पार पहुंचा

नई दिल्ली। स्थानीय आभूषण और खुदरा विक्रेताओं की भारी मांग के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 6,250 रुपये उछलकर 96,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी। विश्लेषकों ने कहा कि अमेरिका-चीन व्यापार तनाव बढ़ने के बीच मजबूत सुरक्षित निवेश विकल्प के तौर पर मांग बढ़ने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने की कीमत अबतक के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गयी। इससे घरेलू कीमतों को बढ़ावा मिला। बुधवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 90,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी।

चार दिनों की भारी गिरावट के बाद 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत में 6,250 रुपये की तेजी आई और यह 96,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर को भी पार कर गया। पिछले दिन यह 89,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। वैश्विक रुझानों के अनुरूप चांदी की कीमतों में भी 2,300 रुपये का उछाल आया और इसकी कीमत 95,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 93,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। महावीर जयंती के अवसर पर बृहस्पतिवार को सर्राफा बाजार बंद थे। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, हाजिर सोना 3,237.39 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया।

बाद में, यह 3,222.04 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। इसके अलावा, एशियाई बाजार में कॉमेक्स सोना वायदा बढ़कर 3,249.16 डॉलर प्रति औंस के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। कोटक सिक्योरिटीज की सहायक उपाध्यक्ष (जिंस शोध) कायनात चैनवाला ने कहा कि कॉमेक्स सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गईं। इसका कारण अमेरिका-चीन व्यापार तनाव बढ़ने के बीच सुरक्षित-निवेश विकल्प माने जाने वाले सोने की मांग का बढ़ना है।

ऑस्ट्रिया के वित्त मंत्री का सीतारमण से सहयोग मजबूत करने का आह्वान

लंदन। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऑस्ट्रिया के वित्त मंत्री के साथ मुलाकात में निवेश और सहयोग के अवसरों पर चर्चा की जबकि ऑस्ट्रिया ने नए अमेरिकी शुल्क से उपजे 'तनाव' का हवाला देते हुए साझेदार देशों के साथ आर्थिक सहयोग को मजबूत करने का आग्रह किया।

ऑस्ट्रियाई संघीय वित्त मंत्रालय ने राजधानी वियना में वित्त मंत्री मार्कस मार्टरबाउर और सचिव बारबरा ईबिंगर-मिडल के साथ बृहस्पतिवार को हुई वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की बैठकों पर जारी बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक, मार्टरबाउर ने सीतारमण से कहा कि अमेरिका की शुल्क और व्यापार नीतियां यूरोपीय और ऑस्ट्रियाई अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव डाल रही हैं। इससे सभी साझेदार देशों के साथ आर्थिक सहयोग को मजबूत करना और नवाचार-संचालित सहयोग को बढ़ावा देना और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने भारत को जी20 समूह के देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बताते हुए कहा कि इसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की अनुमानित वृद्धि दर छह प्रतिशत से अधिक है। यदि व्यापार निष्पक्ष और टिकाऊ परिस्थितियों में होता है, तो दोनों साझेदारों को लाभ होगा। बयान में कहा गया है कि भारत और ऑस्ट्रिया में स्टार्टअप कंपनियों के बीच खासकर वित्त-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश और सहयोग के अवसर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की वियना यात्रा के दौरान चर्चा के मुख्य क्षेत्रों में से थे। सीतारमण ने इलेक्ट्रिक परिवहन और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष के जरिये दोनों देशों की स्टार्टअप कंपनियों के बीच खासकर वित्त प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में निवेश एवं व्यापार सहयोग के अवसरों के बारे में बताया।

ऑस्ट्रिया के वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहाकि भारतीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रमुख पहलुओं, प्रमुख सुधारों और नीतिगत उपायों के बारे में जानकारी दी। बैठक में बारबरा ईबिंगर-मिडल ने कहा कि भारत जैसी अर्थव्यवस्था के साथ सहयोग और व्यापार संबंध हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

सीतारमण के साथ आदान-प्रदान ऑस्ट्रिया और भारत के बीच गहन सहयोग की व्यापक क्षमता को रेखांकित करता है। इस बीच, भारतीय वित्त मंत्रालय ने कहा कि सीतारमण ने मार्टरबाउर को एक व्यापार प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत आने के लिए आमंत्रित किया है। सीतारमण यूरोपीय देशों के अपने दौरे के क्रम में इस समय ऑस्ट्रिया पहुंची हुई हैं। इसके पहले वह ब्रिटेन की यात्रा पर थीं।

बजाज ऑटो के गैर-कार्यकारी निदेशक मधुर बजाज का निधन

मुंबई। देश एवं निजी क्षेत्र की दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी बजाज ऑटो लिमिटेड के गैर-कार्यकारी निदेशक मधुर बजाज का शुक्रवार सुबह यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। वह 63 वर्ष के थे। कंपनी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मुधर बजाज को कुछ दिन पहले स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण दक्षिण मुंबई स्थित ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इससे दो दिन पहले उन्हें 'स्ट्रोक' भी हुआ था। उन्होंने आज सुबह करीब 5 बजे अस्पताल में अंतिम सांस ली। मधुर बजाज के पास बजाज ऑटो के गैर-कार्यकारी निदेशक के अलावा महाराष्ट्र स्कूटर लिमिटेड के चेयरमैन का भी कार्यभार था। इसके अलावा वे बजाज इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, बजाज फाइनेंस लिमिटेड और बजाज ग्रुप की अन्य दूसरी कंपनियों के डायरेक्टर थे।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में अपने हितों की रक्षा करेगा भारत: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर अमेरिका के साथ बातचीत में सरकार, देश तथा जनता के हितों की रक्षा करेगी और जल्दबाजी में कोई भी कदम उठाना उचित नहीं है।

उन्होंने कहा कि देश की सभी व्यापार वार्ताएं ''भारत पहले'' के दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं और 'विकसित भारत 2047' का मार्ग सुनिश्चित कर रही हैं। भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर गोयल ने पत्रकारों से कहा कि हमने पहले भी कई बार कहा है कि हम बंदूक की नोक पर बात नहीं करते हैं। समयबद्ध तरीके से काम करना अच्छा है लेकिन जब बात देश हित और जनहित की हो तो तब किसी भी तरह की जल्दबाजी अच्छी नहीं होती। दोनों देशों ने इस वर्ष शरद ऋतु तक समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने का लक्ष्य रखा है। इस समझौते का मकसद 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को वर्तमान 191 अरब अमेरिकी डॉलर से दोगुना कर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाना है।

भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) व्यापार समझौते पर गोयल ने कहा कि व्यापार वार्ता तब आगे बढ़ती है जब दोनों पक्ष एक-दूसरे की चिंताओं और आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। उन्होंने कहा कि मैं केवल इतना बता सकता हूं कि सभी व्यापार वार्ताएं ''भारत पहले'' के दृष्टिकोण और 'विकसित भारत 2047' के लिए मार्ग प्रशस्त करने हुए अच्छी तरह से आगे बढ़ रही हैं।' मंत्री ने कहा कि यूरोपीय संघ में व्यवसायों को गैर-शुल्क बाधाओं के कारण कई तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इस बीच, इटली-भारत व्यापार मंच में गोयल ने कहा कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते को शीघ्रता से पूरा करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने की जरूरत है जिससे दोनों पक्षों को आर्थिक संबंधों को गहरा करने में मदद मिल सके।

उन्होंने कहा कि भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप गलियारा भारत तथा इटली को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर प्रदान करता है। मंत्री ने कहा कि भारत और इटली के बीच निर्बाध व्यापार व निवेश को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता है। गोयल ने कहा कि दोनों पक्षों में निवेश को प्रोत्साहित करने, उद्योग जगत को बिना किसी बाधा के एक-दूसरे के साथ व्यापार करने के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है। मुझे लगता है कि इसमें 15 अरब अमेरिकी डॉलर के स्तर से बढ़ने की जबरदस्त क्षमता है।

विदेशी मुद्रा भंडार 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार अप्रैल को समाप्त सप्ताह में 10.87 अरब डॉलर बढ़कर 676.27 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि पिछले सप्ताह विदेशी मुद्रा भंडार 6.59 अरब डॉलर बढ़कर 665.39 अरब डॉलर हो गया था। यह लगातार पांचवां सप्ताह है जब विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई है। हाल ही में पुनर्मूल्यांकन और रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के कारण इसमें गिरावट आई थी। सितंबर, 2024 में विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.89 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, चार अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का महत्वपूर्ण हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.1 अरब डॉलर बढ़कर 574.09 अरब डॉलर हो गईं।

रायपुर में देश के पहले गैलियम-नाइट्रेट आधारित सेमीकंडक्टर संयंत्र की रखी गई आधारशिला

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नया रायपुर में देश की पहली गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) आधारित सेमीकंडक्टर संयंत्र की आधारशिला रखी। इस मौके पर पॉलीमैटेक इलेक्ट्रॉनिक्स के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ईश्वर राव नंदम ने राज्य में 10,000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश करने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि संयंत्र से उत्पादन जल्द ही शुरू हो जाएगा। संयंत्र से 2030 तक सालाना 10 अरब चिप उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। संयंत्र में पांच और तीन नैनोमीटर की अत्याधुनिक चिप का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि दूरसंचार उपकरण

पैकेजिंग सुविधा दूरसंचार बुनियादी ढांचे, इंटरनेट ऑफ थिंग्स 'आईओटी', और उपग्रह संचार के लिए महत्वपूर्ण सेमीकंडक्टर मॉड्यूल के उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाएगी। कुल 1,143 करोड़ रुपये के निवेश के साथ यह परियोजना छत्तीसगढ़ और भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर उद्योग में सबसे आगे रखेगी। यह चिप न केवल रोजमर्रा के उपकरणों को चलाने में उपयोग में आएंगे, बल्कि वे भविष्य को भी गति देंगे। यह अगली पीढ़ी के 5जी और 6जी नेटवर्क, उच्च प्रदर्शन वाले लैपटॉप, रक्षा प्रौद्योगिकी, आंकड़ा विश्लेषण जैसे क्षेत्रों को आगे बढ़ाने में मददगार होगा। इस संयंत्र की स्थापना भारत की सेमीकंडक्टर आयात पर निर्भरता कम करने और वैश्विक प्रौद्योगिकी महाशक्ति के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वैश्विक स्तर पर, गैलियम नाइट्राइड (जीएएन) को सेमीकंडक्टर की दुनिया में एक पासा पलटने वाले के रूप में देखा जा रहा है। जीएएन चिप तेज, अधिक ऊर्जा-कुशल और अत्यधिक टिकाऊ हैं, जो उन्हें अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों के लिए आदर्श विकल्प बनाते हैं। अब तक, इस तरह की चिप के लिए भारत को विदेश पर निर्भर रहना पड़ा है। हालांकि, उनके घरेलू उत्पादन की शुरुआत न केवल इस मामले में देश को आत्मनिर्भर बनाएगी, बल्कि प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) को भी बढ़ावा देगी।

रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 61 पैसे उछलकर 86.07 पर पहुंचा

मुंबई। विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में शुक्रवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 61 पैसे उछलकर 86.07 (अस्थायी) पर बंद हुआ। अमेरिकी डॉलर में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजारों में उछाल के कारण रुपये में मजबूती आई। रुपये में तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नौ जुलाई तक भारत पर 26 प्रतिशत जवाबी शुल्क को निलंबित करने के अगले दिन आई।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 46 पैसे उछलकर 86.22 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान यह डॉलर के मुकाबले 85.95 के उच्च स्तर पर पहुंचा और अंत में 86.07 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद भाव से 61 पैसे की उछाल है। रुपया बुधवार को 42 पैसे टूटकर 86.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। महावीर जयंती के कारण बृहस्पतिवार को शेयर बाजार, विदेशी मुद्रा और जिंस बाजार बंद रहे।

इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 1.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.33 पर आ गया।

वैश्विक बाजारों के उलट भारतीय बाजारों में तेजी, सेंसेक्स 1310 अंक उछला

मुंबई। भारत समेत विभिन्न देशों पर लगाए उच्च सीमा शुल्क को तीन महीनों के लिए टालने के अमेरिकी सरकार के फैसले से शुक्रवार को स्तानीय शेयर बाजारों में जबर्दस्त तेजी रही। सेंसेक्स 1,310 अंक उछल गया जबकि निफ्टी ने 429 अंकों की छलांग लगाई।

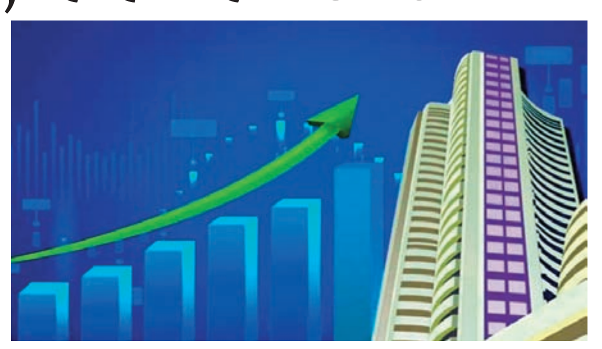

भारतीय बाजार में तेजी इस लिहाज से खास रही कि इसने दुनिया भर के बाजारों में व्याप्त गिरावट के रुख के उलट तेजी का रुझान दिखाया। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 1,310.11 अंक यानी 1.77 प्रतिशत उछलकर 75,157.26 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,620.18 अंक बढ़कर 75,467.33 तक पहुंच गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी भी 429.40 अंक यानी 1.92 प्रतिशत बढ़कर 22,828.55 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 524.75 अंक बढ़कर 22,923.90 पर पहुंच गया था। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस की तरफ से जारी आदेशों के मुताबिक, अमेरिका ने इस साल नौ जुलाई तक 90 दिनों के लिए भारत पर लगे अतिरिक्त शुल्क को निलंबित करने की घोषणा की है।

इसके पहले दो अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका को माल निर्यात करने वाले लगभग 60 देशों पर शुल्क और भारत जैसे देशों पर अलग से शुल्क लगाया था। घरेलू बाजार में आई तेजी के बीच सेंसेक्स की 30 में से 28 कंपनियों के शेयर बढ़त में रहे। टाटा स्टील, पावर ग्रिड, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और अदाणी पोर्ट्स में सबसे ज्यादा तेजी देखी गई।

दूसरी तरफ, एशियन पेंट्स और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, कि जवाबी शुल्कों पर अप्रत्याशित रोक लगा दिए जाने से बाजार को राहत मिली है। हालांकि प्रमुख आईटी कंपनी टीसीएस के परिणाम बाजार के अनुमानों से कम रहे, लेकिन ऑर्डर बुक बढ़ने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में स्थिति बेहतर होने की उम्मीद है। इसके उलट वैश्विक बाजारों में गिरावट का रुख देखा गया। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार युद्ध तेज होने से बढ़ती चिंताओं के बीच वैश्विक बाजारों में बिकवाली का जोर देखा गया।

एशिया के अन्य बाजारों में जापान का सूचकांक निक्की और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग चढ़कर बंद हुए। यूरोपीय बाजार भी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में बृहस्पतिवार को बड़ी गिरावट रही। नैस्डैक कंपोजिट में 4.31 प्रतिशत, एसएंडपी 500 में 3.46 प्रतिशत और डॉऊ जोन्स इंडसर्ट्रियल एवरेज में 2.50 प्रतिशत की गिरावट रही।

औद्योगिक उत्पादन फरवरी में सुस्त पड़कर छह महीने के निचले स्तर 2.9% पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश के औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर इस साल फरवरी में सुस्त पड़कर छह महीने के निचले स्तर 2.9 प्रतिशत पर आ गयी। शुक्रवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मुख्य रूप से विनिर्माण, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि सुस्त पड़ी है। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के संदर्भ में मापे जाने वाले औद्योगिक उत्पादन में फरवरी 2024 में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। इस बीच, सरकार ने जनवरी 2025 के लिए औद्योगिक वृद्धि के आंकड़े को संशोधित कर 5.2 प्रतिशत कर दिया है। मार्च में जारी आंकड़ों में इसके पांच प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। इससे पहले, पिछला निचला स्तर पिछले साल अगस्त में रहा था। उस समय वृद्धि दर शून्य प्रतिशत पर स्थिर रही थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार विनिर्माण क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि फरवरी 2025 में सुस्त पड़कर 2.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 4.9 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन वृद्धि आलोच्य महीने में 1.6 प्रतिशत रही जो एक साल पहले फरवरी महीने में 8.1 प्रतिशत थी। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में बिजली उत्पादन की वृद्धि भी धीमी होकर 3.6 प्रतिशत पर रही जो एक साल पहले इसी महीने में एक साल पहले के 7.6 प्रतिशत थी। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-फरवरी के दौरान आईआईपी में 4.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 6.0 प्रतिशत थी।

यूएई के उप प्रधानमंत्री ने किया डीपी वर्ल्ड के न्हावा शेवा बिजनेस पार्क का उद्घाटन

नई दिल्ली। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उप प्रधानमंत्री शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम ने मुंबई में लॉजिस्टिक कंपनी डीपी वर्ल्ड के अत्याधुनिक मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र (एफटीडब्ल्यूजेड)- न्हावा शेवा बिजनेस पार्क (एनएसबीपी) का उद्घाटन किया है। कंपनी ने शुक्रवार यह जानकारी दी। यूएई के उप प्रधानमंत्री आठ और नौ अप्रैल को भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर यहां आये थे। दुबई स्थित लॉजिस्टिक कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने 20 करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश से भारत में तीन वैश्विक मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र विकसित किए हैं। बयान के अनुसार रणनीतिक रूप से भारत के तटों के करीब स्थित भंडारण क्षेत्र उन्नत बुनियादी ढांचे, मजबूत भंडारण, विनियमन में आसानी और निर्बाध मूल्यवर्धित सेवाएं प्रदान करते हैं, जिससे परिचालन सरल हो जाता है।

शेख हमदान ने डीपी वर्ल्ड के समूह चेयरमैन और सीईओ सुल्तान अहमद बिन सुलेयम के साथ इस बिजनेस पार्क का दौरा किया। उद्घाटन के मौके पर दुबई के 'क्राउन प्रिंस' और यूएई के रक्षा मंत्री की भी जिम्मेदारी संभाल रहे शेख हमदान ने कहा कि न्हावा शेवा बिजनेस पार्क जैसे विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स अवसंरचना की स्थापना न केवल दोनों देशों के बीच व्यापार संपर्क को मजबूत करती है, बल्कि वृद्धि, नवाचार और स्थिरता के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण को भी मजबूत करती है।

डीपी वर्ल्ड के समूह चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलेयम ने कहा कि यूएई और भारत के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता पहले से ही द्विपक्षीय व्यापार को गति दे रहा है, और मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र नेटवर्क अधिक दक्षता, स्थायित्व और पैमाने को सुनिश्चित करेगा। मुंबई के पास स्थित न्हावा शेवा बिजनेस पार्क में 10 लाख वर्ग फुट भंडारण क्षेत्र है, जबकि अन्य 10 लाख वर्ग फुट की योजना बनाई जा रही है। यह विविध उद्योग जरूरतों को पूरा करने के लिए विशेष और तापमान नियंत्रित स्थान प्रदान करता है।

'रेड-2' का फर्स्ट सॉन्ग आउट तमन्ना भाटिया ने बताया, 'आकर्षक है नशा'

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया 'आज की रात' डांस नंबर के बाद अब अजय देवगन स्टारर अपकमिंग फिल्म 'रेड 2' के डांस नंबर 'नशा' के साथ जादू चलाने को तैयार हैं। फिल्म का गाना शुक्रवार को रिलीज हो चुका है। अभिनेत्री ने बताया कि यह एक ऐसा ट्रैक है, जिसकी हर बीट आपको पसंद आएगी और यहां तक कि गाने की पहली बीट ही आपको अपनी ओर खींच लेगी। अभिनेत्री ने बताया कि 'नशा' में कुछ आकर्षण है और यह एक ऐसा ट्रैक है, जो आपको पहली बीट से ही अपनी ओर खींच लेगा और पसंद आएगा। अभिनेत्री ने आगे बताया कि गाने की एनर्जी, म्यूजिक सब कुछ मिलकर इसे शानदार बनाते हैं। मेरे पिछले गाने 'आज की रात' को मिले प्यार के बाद, मैं दर्शकों को यह अनुभव कराने के लिए उत्साहित हूं। इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री ने टी-सीरीज फिल्म्स के साथ एक कोलाब पोस्ट शेयर किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा कि ये नशा कभी न उतरे, हर दिल की एक ही तमन्ना। एनर्जी से भरपूर गाने को जैस्मीन सैंडलस, सचेत टंडन और दिव्या कुमार ने अपनी आवाज दी है। इसके बोल जानी ने लिखे हैं। 'रेड 2' का निर्देशन राज कुमार गुप्ता ने किया है और निर्माण भूषण कुमार, कुमार मंगत पाठक, अभिषेक पाठक और कृष्ण कुमार ने मिलकर किया है। फिल्म निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म के ट्रेलर को जारी किया था, जिसमें अमय पटनायक के किरदार में अजय देवगन दादा भाई के घर अपना 75वां छापा मारने पहुंचे। फिल्म में अजय देवगन, रितेश देशमुख, वाणी कपूर के साथ अभिनेत्री सुप्रिया पाठक, सौरभ शुक्ला और अमित सियाल जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज की प्रस्तुति 'रेड 2' साल 2018 की थ्रिलर 'रेड' की सीक्वल है, जो 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस बीच तमन्ना भाटिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो उनकी अपकमिंग फिल्म 'ओडेला 2' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। वह फिल्म में शिव भक्त की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म साल 2022 की हिट तेलुगू क्राइम-थ्रिलर 'ओडेला रेलवे स्टेशन' की सीक्वल है। फिल्म में तमन्ना के साथ हेबाह पटेल, सुरेंद्र रेड्डी, वशिष्ठ एन सिम्हा, वामशी, पूजा रेड्डी, नागा महेश समेत अन्य कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं। अशोक तेजा के निर्देशन में बनी 'ओडेला-2' फिल्म 17 अप्रैल को रिलीज होगी।

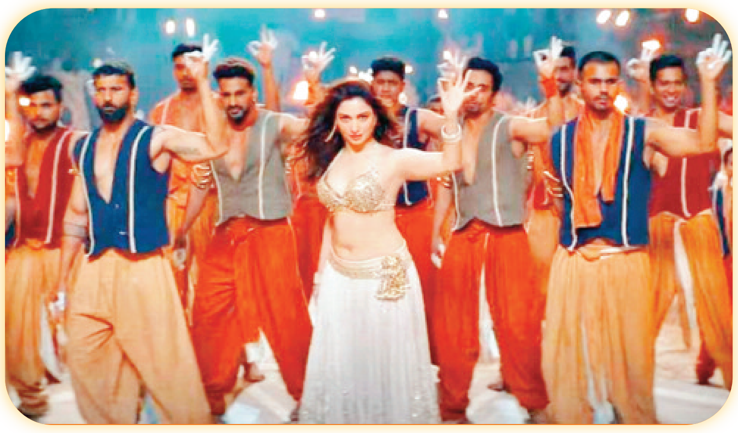

स्टंट कलाकारों के लिए खुशखबरी, ऑस्कर में शामिल हुई नई कैटेगरी

ऑस्कर अकादमी ने हाल ही में एक ऐतिहासिक फैसला लिया है, जिसने फिल्म जगत में उत्साह की लहर है। अकादमी ने स्टंट डिजाइन को आधिकारिक रूप से मान्यता देते हुए इसे ऑस्कर पुरस्कार की नई श्रेणी के रूप में शामिल कर लिया है। अब स्टंट कलाकारों और कोरियोग्राफर्स को भी उनकी कला और योगदान के लिए उसी तरह सम्मान मिलेगा, जैसा अन्य तकनीकी और रचनात्मक क्षेत्रों को मिलता है। यह नया स्टंट डिजाइन पुरस्कार पहली बार ऑस्कर के शताब्दी वर्ष समारोह में प्रस्तुत किया जाएगा, जो इस निर्णय को और भी ऐतिहासिक बना देता है। अकादमी के इस फैसले की सराहना करते हुए प्रसिद्ध भारतीय निर्देशक एस.एस. राजामौली ने अपनी खुशी जाहिर की है। अकादमी ने अब स्टंट कला को भी सम्मानित करने का निर्णय लिया है और स्टंट डिजाइन पुरस्कार को आधिकारिक रूप से अपनी पुरस्कार श्रेणियों में शामिल कर लिया है। इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की शुरुआत अकादमी के 100वें वर्षगांठ समारोह के अवसर पर की जाएगी। खास बात यह है कि यह पुरस्कार उन फिल्मों को प्रदान किया जाएगा जो साल 2027 में रिलीज होंगी। यह स्टंट कलाकारों के लिए ऐतिहासिक और गर्व का क्षण है, जिन्हें लंबे समय से उनके जोखिम भरे और रचनात्मक योगदान के लिए समुचित पहचान नहीं मिल पा रही थी। फिल्म अकादमी की प्रोडक्शन और तकनीकी शाखा में फिलहाल 100 से अधिक स्टंट कलाकार सदस्य हैं, जो इस नए फैसले के साथ अब पहले से ज्यादा मजबूती और सम्मान के साथ अपनी पहचान दर्ज करा सकेंगे। ऑस्कर अकादमी का पोस्टऑस्कर अकादमी ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक खास पोस्ट शेयर कर एक ऐतिहासिक घोषणा की है। इस पोस्ट में लिखा गया है कि स्टंट हमेशा से ही फिल्मों के करिश्मा का हिस्सा रहे हैं और अब वो ऑस्कर का भी हिस्सा हैं। अकादमी ने स्टंट डिजाइन में शानदार काम करने वाले कलाकारों के लिए एक नया सालाना पुरस्कार तैयार किया है। जिसकी शुरुआत साल 2028 में 100वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह से होगी, जो साल 2027 में रिलीज होने वाली फिल्मों को सम्मानित करेगा। ऑस्कर अकादमी के सीईओ बिल क्रेमर और अध्यक्ष जेनेट यंग ने एक संयुक्त बयान में कहा कि सिनेमा की शुरुआत से ही स्टंट कलाकारों ने फिल्मों में अहम और अमूल्य योगदान दिया है। हमें गर्व है कि हम अब इन तकनीकी और रचनात्मक प्रतिभाओं के अद्भुत कार्य को सम्मानित कर रहे हैं। इस महत्वपूर्ण पड़ाव तक पहुंचने में जिन कलाकारों ने अपना जुनून, समर्पण और मेहनत दिखाई है। हम उन्हें दिल से बधाई देते हैं।

सनी देओल की फिल्म 'जाट' ने पहले दिन कमाए सिर्फ 9.50 करोड़ रुपये

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म 'जाट' गुरुवार 10 अप्रैल को रिलीज हो गई। इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता है। फिल्म 'जाट' की चर्चा हर जगह हो रही है। सोशल मीडिया पर दर्शक फिल्म 'जाट' की कहानी और दमदार एक्शन सीन्स की खूब तारीफ कर रहे हैं। लोग यह भी कह रहे हैं कि इस फिल्म को परिवार के साथ देखा जा सकता है, लेकिन इतनी प्रशंसा के बावजूद फिल्म ने पहले दिन बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। सनी देओल और रणदीप हुड्डा की फिल्म 'जाट' का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। यह 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने पर कई जगह प्रशंसक फिल्म देखने के लिए उमड़ पड़े। कुछ स्थानों पर फिल्म देखने आए दर्शक ढोल-नगाड़ों की थाप पर नाचते नजर आए। 'जाट' को लेकर दर्शकों में गजब का क्रेज था। हालांकि, पहले दिन कमाई के मामले में सनी देओल की 'जट' सलमान खान की 'सिकंदर' से पीछे रह गई। 'जाट' का बॉक्स ऑफिस कलेक्शनइंडस्ट्री ट्रैकर सैकनीलक की रिपोर्ट के अनुसार गोपीचंद माली के निर्देशन में बनी फिल्म 'जाट' ने पहले दिन सिर्फ 9.50 करोड़ रुपये की कमाई की है। निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी द्वारा निर्देशित फिल्म 'जाट' का बजट 100 करोड़ रुपये है।

विजय देवरकोंडा स्टारर 'किंगडम' का नया पोस्टर रिलीज

मुंबई। दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार विजय देवरकोंडा स्टारर 'किंगडम' का नया पोस्टर रिलीज हो गया है। किंगडम (साम्राज्य) का टीज़र रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है। विजय देवरकोंडा को इस अंदाज़ में पहले कभी नहीं देखा गया। उनके अंदर की रॉ एनर्जी, रग्ड चार्म और बेकाबू जोश, सब कुछ टीज़र में झलकता है। ऐसा लग रहा है मानो कोई तूफान आ रहा हो, जिसे रोकना नामुमकिन है। इस लुक में विजय पूरी तरह से ट्रांसफॉर्म हो गए हैं। फिल्म को लेकर क्रेज़ पहले से था, और अब टीज़र ने एक्साइटमेंट को सातवें आसमान पर पहुंचा दिया है। 'किंगडम' के मेकर्स ने आज सोशल मीडिया पर एक जबरदस्त पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज़ का काउंटडाउन शुरू कर दिया है। पोस्टर के साथ मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है #किंगडमके राज का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। महानता और मोक्ष की ओर गिनती शुरू, 50 दिन शेष। गौतम तिन्ननुरी निर्देशित फिल्म किंगडम 30 मई को रिलीज होगी।

नजरअंदाज न करें बच्चे की शैतानियां, बच्चे के व्यवहार पर दें ध्यान

शैतान बच्चे और उद्दंड बच्चे के बीच एक बारीक-सी रेखा होती है। आपका शैतान बच्चा इस रेखा को पार न करे, इसके लिये आपका सतर्क रहना जरूरी है। बातचीत किसी भी समस्या का पहला हल होता है।

आठ साल का अनय शुरू से ही बहुत चंचल बच्चा था और हमेशा किसी न किसी शरारत में लगा रहता था। बड़े होने के साथ-साथ उसकी यही शरारतें, बदमाशी में तब्दील होने लगीं। उसे दूसरों पर रौब जमाना अच्छा लगता और धीरे-धीरे यह उसकी आदत बन गयी। शुरुआत में उसके माता-पिता ने बचपना समझकर नजरअंदाज करने की कोशिश की, लेकिन जब आये दिन स्कूल और पड़ोसियों से अनय की शिकायतें मिलने लगीं तो पेरेंट्स चिंतित होने लगे। क्या अपने बच्चे को लेकर आपके साथ भी कुछ ऐसा घटा है?

दरअसल, गुस्सा आना मानव का एक स्वाभाविक भाव है। लेकिन कुछ बच्चे अपने इस भाव पर बिल्कुल काबू नहीं रख पाते और जरा-जरा सी बात पर अपनी नाराजगी बहुत कठोर ढंग से जाहिर करने लगते हैं। ऐसे बच्चे अपने से छोटे या अपने से कमजोर बच्चों या लोगों को चोट पहुंचाकर या उन्हें गलत शब्द बोलकर खुशी महसूस करने लगते हैं। पर बच्चे के इस व्यवहार का अर्थ यह बिल्कुल नहीं है कि वह बच्चा अच्छा नहीं है। हो सकता है कि वह बच्चा किसी तरह की मानसिक परेशानी से जूझ रहा हो और आपके सामने सही ढंग से अपनी बात नहीं रख पा रहा हो। ऐसी स्थिति में वह अपनी सारी झल्लाहट गुस्से के रूप में दूसरों पर निकालने लगता है। बच्चे को सजा देने या सारा दोष उस पर थोप देने से पहले यह बहुत जरूरी है कि उसके ऐसे व्यवहार के संभावित कारणों के बारे में पता लगाया जाए।

कहीं सारा प्यार छोटे के लिये तो नहीं

यूं तो हर माता-पिता के लिए अपने सारे बच्चे बराबर होते हैं, लेकिन कभी-कभी अनजाने में किसी एक बच्चे के प्रति उनका प्यार कुछ ज्यादा ही उमड़ने लगता है। बच्चे बहुत संवेदनशील होते हैं और जब उन्हें लगता है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जा रहा, तो वे चिड़चिड़े हो जाते हैं और अपना सारा गुस्सा घर में तोड़-फोड़ कर या छोटे भाई-बहनों के साथ मार-पिटाई करके निकालने लगते हैं।

कहीं घर का माहौल तो खराब नहीं?

यदि घर पर हमेशा तनाव का माहौल रहता है, तो उससे बच्चे के अंदर एक प्रकार की चिड़चिड़ाहट-सी पैदा होने लगती है। जिन घरों में हमेशा छोटी-छोटी बातों पर लड़ाई-झगड़े होते रहते हैं, उन घरों में बच्चे खुद को उपेक्षित महसूस करने लगते हैं। नतीजतन, ऐसे घरों के बच्चे खुद को मोबाइल या टीवी में व्यस्त कर लेते हैं। और कई शोध इस बात को साबित कर चुके हैं कि जरूरत से ज्यादा टीवी और इंटरनेट का इस्तेमाल बच्चों को उग्र बना देता है।

क्या आप अपने बच्चे की दोस्त हैं?

अनुशासन एक बहुत अच्छी चीज है, लेकिन जो माता-पिता अपने बच्चों के साथ हमेशा ही कड़ाई से पेश आते हैं, वे अपने बच्चों के कभी दोस्त नहीं बन पाते। जरूरत से ज्यादा सख्ती अभिभावक को बच्चे से दूर कर देती है। ऐसे बच्चे अपनी कोई समस्या पेरेंट्स के साथ बांटना पसंद नहीं करते, बल्कि वे जान-बूझकर अपने पेरेंट्स के सामने बेहद शांत रहने की कोशिश करने लगते हैं। ऐसे बच्चे अकसर घर से बाहर निकलते ही दूसरे बच्चों पर अपना रौब दिखाने लगते हैं।

गुस्से का स्रोत आप तो नहीं?

बच्चे माता-पिता को अपने आदर्श के रूप में देखते हैं और वे वही सब सीखते हैं, जो आपको करते देखते हैं। फर्ज कीजिये, आप उसे दूसरों का सम्मान करने और प्यार करने की शिक्षा हमेशा देती हैं, लेकिन खुद हमेशा दूसरों से लड़ने के मूड में रहती हैं। तो बहुत हद तक संभव है कि वह भी आपको देख-देखकर हमेशा झल्लाहट से भरा रहने लगेगा और बात-बात पर दूसरों से लड़ाई-झगड़ा करने लगेगा।

बातचीत किसी भी समस्या का पहला हल होता है। अपने बच्चे की बातों में पूरी दिलचस्पी लें और उसके स्कूल तथा दोस्तों के बारे में नियमित रूप से बात करें।

किसी भी कारण से यदि बच्चा खुद को उपेक्षित महसूस करने लगता है तो उसके अंदर एक प्रकार का डर और अकेलापन भर जाता है, जिस पर काबू पाने के लिए वह दूसरों को सताने लगता है। बच्चे को हमेशा यह विश्वास दिलाएं कि हर परेशानी में आप उसके साथ हैं और आपके साथ वह पूरी तरह से सुरक्षित है।

जब किसी के साथ वह बुरा व्यवहार करे तो सबके सामने उसे कतई न डांटें, बल्कि अकेले में उसे प्यार से समझाएं।

जब कभी बच्चा किसी के साथ अच्छी तरह से पेश आये तो उसकी तारीफ जरूर करें और परिवार के अन्य सदस्यों को भी उसके इस अच्छे व्यवहार के बारे में बताएं।

अंतरमुखी बच्चे अकसर बाहर निकलकर उत्तेजित हो जाते हैं, क्योंकि भीड़-भाड़ वाला माहौल उन्हें रास नहीं आता। शुरू से ही अपने बच्चे के अंदर बाकी बच्चों के साथ मिल-जुलकर रहने की आदत डालें।

यदि बार-बार प्यार से समझाने पर भी बच्चा अपने व्यवहार को बदल नहीं पा रहा, तो उसके साथ थोड़ी सख्ती से पेश आएं और उसे बताएं कि उसका यह व्यवहार आपको तकलीफ पहुंचा रहा है। कभी-कभी बातचीत द्वारा भी किसी समस्या का हल नहीं निकल पाता। ऐसे में पेशेवर बाल मनोचिकित्सक या काउंसलर से मदद लेने में कतई न हिचकें। वो बातचीत के माध्यम से बच्चे की समस्या की जड़ को पहचानने में आपकी मदद करेंगे। याद रखिये कि आपके बच्चे को कोई मानसिक बीमारी नहीं है। वह सिर्फ अपने व्यवहार से उग्र है, जिसे सामान्य बनाने में विशेषज्ञ आपकी बहुत अच्छे से मदद कर सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि :-आत्मविश्वास रहेगा, परन्तु अति उत्साहित होने से बचें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ राशि :-लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। परिश्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि :- बातचीत में संयत रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कर्क राशि :- संयत रहें। क्रोध एवं आवेश के अतिरेक से बचें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।।

सिंह राशि :- कला या संगीत के प्रति के प्रति रुझान बढ़ सकता है। भाई-बहनों के सहयोग से कारोबार में निवेश कर सकते हैं।

कन्या राशि :- मन परेशान हो सकता है। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी।

तुला राशि :- पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिश्रम अधिक रहेगा।

वृश्चिक राशि :-मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे।

धनु राशि :-मानसिक शान्ति रहेगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है। नौकरी में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

मकर राशि :-आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा।

कुम्भ राशि :- नौकरी में बदलाव के योग बन रहे हैं। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा।

मीन राशि :- व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

-ज्योतिषाचार्य: पंडित जितेंद्र तिवारी

पंजाब किंग्स के खिलाफ दमदार वापसी करना चाहेगा सनराइजर्स हैदराबाद

हैदराबाद। पहले मैच में धमाकेदार प्रदर्शन करने के बाद जीत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही सनराइजर्स हैदराबाद की टीम पंजाब किंग्स के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में दमदार वापसी करने के लिए बेताब होगी। पिछले साल के उप विजेता सनराइजर्स ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपने पहले मैच में 286 रन बनाकर 44 रन से शानदार जीत हासिल की थी लेकिन इसके बाद उसके बल्लेबाज कुंद पड़ गए जि स का असर परिणाम पर भी साथ देखने को मिल रहा है। आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए मशहूर सनराइजर्स की टीम पिछले तीन मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। उसने इन मैच में 163, 120 और 152 रन ही बनाए। बल्लेबाजों की नाकामी के कारण उसे इन मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया।

सनराइजर्स के पास ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन जैसे विस्फोटक बल्लेबाज हैं लेकिन पिछले कुछ मैच में अति आक्रामकता के कारण उन्हें अपने विकेट गंवाने पड़े। पिछले साल सनराइजर्स की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले हेड और अभिषेक इस बार अभी तक टीम को अच्छी शुरुआत नहीं दे पाए हैं। वर्तमान सत्र में इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 15 रन की है। हेड के प्रदर्शन में आश्चर्यजनक रूप से गिरावट आई है। वह अभी तक पांच पारियों में 67, 47, 22, 04 और 08 रन ही बना पाए हैं। अभिषेक की बल्लेबाजी में भी निरंतरता का अभाव है। मौजूदा सत्र में उनका सर्वोच्च स्कोर 24 रन है। किशन ने पहले मैच में नाबाद शतक लगाया था लेकिन इसके बाद वह अपने इस प्रदर्शन को जारी नहीं रख पाए।

सनराइजर्स के मध्यक्रम के मुख्य बल्लेबाज क्लासेन भी अभी तक उम्मीद पर खरा नहीं उतरे हैं। सनराइजर्स के मुख्य कोच डेनियल विटोरी ने कहा कि उनकी टीम अपने आक्रामक अंदाज को नहीं छोड़ेगी। उन्होंने कहा df मेरा मानना है कि हम जानते हैं कि हमने अपनी इस शैली के दम पर जीत हासिल की हैं लेकिन हमें परिस्थितियों का सम्मान करना होगा। हमें परिस्थितियों का अच्छी तरह से आकलन करना होगा जैसा कि हम अभी तक नहीं कर पाए हैं।

सनराइजर्स के लिए बल्लेबाजी नहीं गेंदबाजी भी चिंता का विषय है। उसके गेंदबाजों ने अभी तक काफी रन लुटाए हैं। कप्तान पैट कमिंस, मोहम्मद शमी और हर्शल पटेल जैसे गेंदबाज अभी तक प्रभाव नहीं छोड़ पाए हैं। उसके स्पिन गेंदबाजों को बीच के ओवरों में संघर्ष करना पड़ रहा है। इसके विपरीत पंजाब किंग्स ने नए कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। यह भारतीय बल्लेबाज आगे बढ़कर नेतृत्व कर रहा है। उसको प्रियांश आर्य के रूप में विस्फोटक सलामी बल्लेबाज मिला है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में शतक जड़ा था।

पंजाब के गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, लॉकी फर्ग्यूसन, युजवेंद्र चहल और मार्को यानसन ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

टीम इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **सनराइजर्स हैदराबाद:** पैट कमिंस (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अथर्व तायदे, अभिनव मनोहर, अनिकेत वर्मा, सचिन बेबी, हेनरिक क्लासेन, ट्रैविस हेड, हर्षल पटेल, कामिंडु मेंडिस, वियान मुल्डर, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, मोहम्मद शमी, राहुल चाहर, एडम जम्पा, सिमरजीत सिंह, जीशान अंसारी, जयदेव उनादकट और ईशान मलिंगा।
- **पंजाब किंग्स:** श्रेयस अय्यर (कप्तान), युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, मार्कस स्टोइनिस, नेहल वढेरा, ग्लेन मैक्सवेल, विशाक विजयकुमार, यश ठाकुर, हरप्रीत बराड़, विष्णु विनोद, मार्को यानसन, लॉकी फर्ग्यूसन, जोश इंगलिस, जेवियर बार्टलेट, कुलदीप सेन, पायला अविनाश, सूर्यांश शेडगे, मुशीर खान, हरनूर पन्नू, आरोन हार्डी, प्रियांश आर्य, अजमतुल्लाह, उमरजई

मैच शाम 7.30 बजे से शुरू होगा।

भारतीय टीम ISSF विश्व कप में दूसरे स्थान पर रही

ब्यूनस आयर्स। भारतीय टीम ने राइफल, पिस्टल और शॉटगन निशानेबाजों के लिए साल के पहले आईएसएसएफ विश्व कप की अंतिम स्पर्धा में लक्ष्य श्योराण और नीरू की युवा ट्रैप मिश्रित टीम जोड़ी के एक अंक से पदक से चूकने के बावजूद दूसरा स्थान हासिल किया। बृहस्पतिवार को सुरुचि और सौरभ चौधरी की मिश्रित टीम एयर पिस्टल जोड़ी ने कांस्य पदक जीता था जिससे भारत के कुल पदकों की संख्या बढ़कर आठ हो गई थी। इसमें चार स्वर्ण, दो रजत और दो कांस्य शामिल थे जिससे टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई थी।

अंतिम दिन मिश्रित टीम एयर पिस्टल स्पर्धा में चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया जिससे वह पांच स्वर्ण, तीन रजत और तीन कांस्य पदक जीतकर शीर्ष पर रहा। दिन का दूसरा स्वर्ण पदक चीनी ताइपे ने मिश्रित टीम ट्रैप स्पर्धा में जीता। भारत के लिए सिफत कौर सामरा (महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशन), रुद्राक्ष पाटिल (पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल), सुरुचि (महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल) और विजयवीर सिद्धू (पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल) ने स्वर्ण पदक जीते।

सिद्धू अपनी स्पर्धा में आईएसएसएफ विश्व कप स्वर्ण जीतने वाले पहले भारतीय बने। युवा पेरिस ओलंपियन ईशा सिंह ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल में रजत पदक जीता। चैन सिंह ने अपना पहला व्यक्तिगत आईएसएसएफ विश्व कप पदक जीता। एशियाई खेलों और युवा ओलंपिक खेलों के पूर्व चैंपियन सौरभ चौधरी ने भी दो साल के अंतराल के बाद आईएसएसएफ विश्व कप पदक जीता। टीम के सबसे अनुभवी सदस्य जोरावर सिंह संधू पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में सातवें स्थान पर रहे। अब टीम पेरू के लीमा जाएगी जहां 15 अप्रैल से संयुक्त आईएसएसएफ विश्व कप का दूसरा चरण शुरू होगा।

फीबा ने 3x3 बास्केटबॉल टीमों की ओलंपिक कोटा वृद्धि के फैसले का किया स्वागत

माइस। अंतरराष्ट्रीय बास्केटबॉल संघ (फीबा) ने 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक खेलों में 3x3 बास्केटबॉल टीमों (महिला और पुरुष वर्गों में) की संख्या 8 से बढ़ाकर 12 किए जाने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के निर्णय का स्वागत किया है। फीबा ने इस फैसले को इस खेल के लिए एक मील का पत्थर बताया है। फीबा ने गुरुवार को जारी एक बयान में कहा कि यह विस्तार हाल के वर्षों में 3x3 बास्केटबॉल की लोकप्रियता और विकास को दर्शाता है। टीमों की संख्या बढ़ने से अधिक देशों को ओलंपिक मंच पर भागीदारी का अवसर मिलेगा, जिससे खेल की सार्वभौमिकता और व्यापक राष्ट्रीय प्रतिनिधित्व को बढ़ावा मिलेगा। बुधवार को आईओसी की कार्यकारी बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि पेरिस 2024 ओलंपिक में शामिल 8 टीमों की तुलना में लॉस एंजेलिस 2028 में प्रति वर्ग 12 टीमें भाग लेंगी। फीबा अध्यक्ष शेख सऊद अली अल थानी ने कहा कि हम इस निर्णय के लिए आईओसी के आभारी हैं। यह हमारे शहरी खेल को बढ़ावा देने हेतु एक बड़ी प्रेरणा है। पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं में चार-चार अतिरिक्त टीमों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 में ओलंपिक बास्केटबॉल ने कितनी उत्सुकता और रुचि जगाई है।

भारत ने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी के लिए बोली लगाई, छह अन्य देशों से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने महाद्वीप के शीर्ष स्तर के फुटबॉल टूर्नामेंट एएफसी एशियाई कप 2031 की मेजबानी के लिए दिलचस्पी का प्रस्ताव (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) पेश किया है। सात देशों की फुटबॉल संस्थाओं ने 'एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट' (ईओआई) पेश किया था जिसमें एआईएफएफ भी शामिल है। ईओआई की समयसीमा 31 मार्च तक थी। एआईएफएफ के उप महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, कि हां, हमने 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी के लिए ईओआई पेश किया है। देखते हैं क्या होता है। टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार पाने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) जैसे मजबूत फुटबॉल संस्थाओं से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। इंडोनेशिया और कुवैत ने भी ईओआई पेश किया है जबकि किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान ने संयुक्त बोली लगाई है।

मेजबान देश का चयन 2026 में किया जाएगा जिसे टूर्नामेंट में स्वतः प्रवेश मिल जाएगा। यह प्रतियोगिता 1956 में शुरू हुई थी। भारत 1964 चरण में उपविजेता रहा था और इसके बाद 1984, 2011, 2019 और 2023 में ग्रुप चरण में ही बाहर हो गया था। बोली लगाने वाले सात देशों में से ऑस्ट्रेलिया, यूएई, दक्षिण कोरिया और कुवैत पहले इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर चुके हैं।

अवनि संयुक्त 10वें और त्वेसा संयुक्त 32वें स्थान पर

केपटाउन। भारतीय गोल्फर अवनि प्रशांत ने यहां इनवेस्टेक एसए महिला ओपन के पहले दौर में बिना बोगी के चार अंडर 68 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर बनी हुई हैं। अवनि ने पार 72 कोर्स में 'फ्रंट नाइन' और 'बैक नाइन' दोनों में दो दो बर्डी लगाई जिससे वह शीर्ष पर चल रही फ्रांस की पेरिने डेलाकोर और जर्मनी की एलिने क्रायूटर से तीन शॉट से पीछे बनी हुई हैं। त्वेसा मलिक ने पहले तीन होल में तीन बर्डी लगाई लेकिन फिर डबल बोगी कर बैठीं। उन्होंने बैक नाइन में 15वें होल में एक और बर्डी से दो अंडर 70 का कार्ड खेला जिससे वह संयुक्त 32वें स्थान पर चल रही हैं। दीक्षा डागर, प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक ने इवन पार 72 के कार्ड खेले जिससे तीनों संयुक्त 68वें स्थान पर बनी हुई हैं।

लखनऊ बनाम गुजरात: पूरन और सिराज में दिख सकता है दिलचस्प मुकाबला

लखनऊ। लखनऊ सुपर जॉइंट्स और गुजरात टाइटंस के बीच शनिवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में बेहतरीन फॉर्म में चल रहे विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन और तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिल सकता है। लखनऊ की भीषण गर्मी में इन दोनों टीम के बीच रोमांचक मुकाबला होने की संभावना है। गुजरात टाइटंस ने लगातार चार मैच जीते हैं और वह नेट रन रेट बेहतर होने के कारण दिल्ली कैपिटल्स से ऊपर पहले स्थान पर है। इन दोनों टीम के समान आठ अंक हैं।

लखनऊ ने अभी तक तीन मैच में जीत हासिल की है और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। इस मैच में आक्रामक बल्लेबाजों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। लखनऊ की टीम में पूरन ने अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने अभी तक 288 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 225 है जो किसी भी विरोधी टीम के लिए चिंता का विषय हो सकता है। वेस्टइंडीज के इस बल्लेबाज ने अभी तक 25 चौके और 24 छक्के लगाए हैं। लेकिन गुजरात के खिलाफ मैच में उन्हें सिराज की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। इस तेज गेंदबाज ने पावर प्ले में अच्छा प्रदर्शन किया है और उनके नाम पर पांच मैच में 10 विकेट दर्ज हैं। उनका इकोनॉमी रेट भी 7.70 है। सिराज पर पावर प्ले में बड़े शॉट खेलना आसान नहीं होगा तथा सलामी बल्लेबाजों एडेन माक्ररम और मिशेल मार्श को भी उन्हें खेलते समय सावधान रहना होगा। टाइटंस को व्यक्तिगत कारण से स्वदेश लौटने वाले तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की अभी तक कोई खास कमी नहीं खली है क्योंकि प्रसिद्ध कृष्णा ने सिराज का अच्छी तरह से साथ दिया है। बाएं हाथ के स्पिनर आर साई किशोर अपने शानदार प्रदर्शन से टीम के मुख्य स्पिनर राशिद खान पर भी हावी हो गए हैं। राशिद ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी करके लय हासिल करने के संकेत दिए थे। अगर वह अपना यह प्रदर्शन जारी रखते हैं तो लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए काफी मुश्किल पैदा हो सकती है।

दोनों टीमों के लिए अपने कप्तान की फॉर्म चिंता का विषय होगी। शुभमन गिल और ऋषभ पंत दोनों कुशल बल्लेबाज हैं लेकिन आईपीएल के वर्तमान सत्र में अपनी छाप छोड़ने में अभी तक नाकाम रहे हैं। गिल ने आईपीएल के 2023 के सत्र में 890 रन बनाए थे लेकिन इसके बाद वह खेल के सबसे छोटे प्रारूप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

मौजूदा सत्र में वह अभी तक केवल 148 रन बना पाए हैं। बी साईं सुदर्शन (273) और जोस बटलर (203) ने अभी तक टाइटंस की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को रिकॉर्ड 27 करोड रुपए में खरीदा था लेकिन उन्होंने अभी तक चार पारियों में केवल 19 रन बनाए हैं। अगर गिल और पंत अपनी फॉर्म में लौट आते हैं तो फिर लखनऊ के दर्शकों का भरपूर मनोरंजन होना तय है।

टीम इस प्रकार हैं दोनों टीम

- **गुजरात टाइटंस:** बी साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), जोस बटलर (विकेटकीपर), शाहरुख खान, शेरफेन रदरफोर्ड, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, ईशांत शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, अनुज रावत, महिपाल लोमरोर, अरशद खान, जयंत यादव, निशांत सिंधु, कुलवंत खेजरोलिया, गेराल्ड कोएत्जी, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र, गुरनूर बराड़, करीम जनत।
- **लखनऊ सुपर जाइंट्स:** ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), डेविड मिलर, एडेन मार्करम, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), मिशेल मार्श, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, युवराज चौधरी, राजवर्धन हैंगरगेकर, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, शार्दुल ठाकुर, अवेश खान, आकाश दीप, मणिमारन सिद्धार्थ, दिग्वेश राठी, आकाश सिंह, शमर जोसेफ। प्रिंस यादव, मयंक यादव, रवि बिश्नोई।

मैच दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर एक साल का प्रतिबंध लगाया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिए पाकिस्तान सुपर लीग (पीसीएल) से अनुबंध समाप्त करने के कारण एक साल का प्रतिबंध लगा दिया है। बॉश को जनवरी के ड्राफ्ट में पाकिस्तान सुपर लीग की फ्रेंचाइजी पेशावर जाल्मी ने अपनी टीम में चुना था। इसके बाद आईपीएल की फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने दक्षिण अफ्रीका के एक अन्य खिलाड़ी लिज़ाद विलियम्स के चोटिल होने के कारण उनकी जगह पर बॉश को अपनी टीम में शामिल कर दिया था। बॉश ने पीएसएल की बजाय आईपीएल में खेलने को प्राथमिकता दी जिसके बाद पीसीबी ने उन पर अनुबंध का उल्लंघन करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ कानूनी नोटिस जारी किया था। इस साल आईपीएल और पीएसएल का आयोजन लगभग एक साथ हो रहा है। पीसीबी में गुरुवार को जारी बयान में कहा कि इस ऑलराउंडर पर एक साल का प्रतिबंध लगाया गया है और वह अगले साल पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने के लिए चयन का पात्र नहीं होगा। बॉश ने कहा कि मुझे अपने फैसले पर गहरा अफसोस है और मैं पाकिस्तान के लोगों, पेशावर जाल्मी के प्रशंसकों और क्रिकेट समुदाय से माफी मांगता हूं। मैं आशा करता हूं कि भविष्य में नए समर्पण और प्रशंसकों के विश्वास के साथ पीएसएल में वापसी करूंगा।

मोहम्मद सालाह ने लिवरपूल के साथ दो साल का करार बढ़ाया, अटकलों पर लगा विराम

नई दिल्ली। लिवरपूल के स्टार फॉरवर्ड मोहम्मद सालाह ने अपने भविष्य को लेकर महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए शुक्रवार को क्लब के साथ दो साल का नया करार कर लिया है। 32 वर्षीय मिस्र के स्टार खिलाड़ी सालाह का अनुबंध इस साल जून में खत्म होने वाला था, जिसके बाद वह फ्री एजेंट बन सकते थे। लेकिन अब वह 2027 तक लिवरपूल की जर्सी में नजर आएंगे। सालाह 2017 में इटली के क्लब एएस रोमा से लिवरपूल में शामिल हुए थे।

अनुबंध पर हस्ताक्षर करने के बाद सालाह ने कहा, ₹बिलकुल, मैं बेहद उत्साहित हूं। हमारे पास इस समय शानदार टीम है। पहले भी टीम मजबूत थी, लेकिन मैंने साइन इसलिए किया क्योंकि मुझे लगता है हम और ट्रॉफी जीत सकते हैं और फुटबॉल का आनंद ले सकते हैं।₹ उन्होंने आगे कहा, ₹मैंने अपने करियर के सबसे अच्छे साल यहां बिताए हैं। आठ साल हो गए हैं, और उम्मीद है कि अब यह 10 साल पूरे होंगे। मैं यहां की जिंदगी और फुटबॉल का पूरा मजा ले रहा हूं। सालाह लिवरपूल के ऑल-टाइम टॉप स्कोरर लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने अब तक 394 मैचों में 243 गोल किए हैं। अपने आठ साल के सफर में वह एक प्रीमियर लीग, एक चैंपियंस लीग, एक एफए कप, दो लीग कप, एक यूएफा सुपर कप और एक फीफा क्लब वर्ल्ड कप जीत चुके हैं। चालू सीजन में सालाह ने सभी प्रतियोगिताओं में अब तक 32 गोल दागे हैं। वह प्रीमियर लीग गोल्डन बूट की दौड़ में 27 गोल के साथ सबसे आगे हैं। उनकी दमदार फॉर्म की बदौलत लिवरपूल ने दूसरे स्थान पर काबिज आर्सेनल पर 11 अंकों की बढ़त बना ली है और खिताब की प्रबल दावेदार बन गई है।

एशिया चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में ध्रुव-तनिशा की हार के साथ भारतीय चुनौती समाप्त

नई दिल्ली। बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप 2025 में भारत की आखिरी उम्मीद भी शुक्रवार को खत्म हो गई, जब मिश्रित युगल वर्ग में ध्रुव कपिला और तनिशा क्रास्टो की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में हार गई। इस हार के साथ ही टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती का अंत हो गया। विश्व नंबर 18 रैंकिंग वाली भारतीय जोड़ी को हांगकांग, चीन की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी तांग चुन मैन और त्से यिंग सूएट के हाथों 41 मिनट में 20-22, 13-21 से हार झेलनी पड़ी। पहले गेम में ध्रुव-तनिशा की जोड़ी ने जबरदस्त शुरुआत करते हुए 8-0 की बढ़त बनाई। हालांकि, इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने वापसी करते हुए स्कोर 10-10 से बराबर कर लिया। गेम के अंत तक दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला रहा, लेकिन 19-19 के स्कोर के बाद तांग और त्से ने दूसरा गेम पॉइंट भुनाते हुए पहला गेम अपने नाम किया।दूसरे गेम की शुरुआत में भारतीय जोड़ी मुकाबले में बनी रही और स्कोर 9-9 तक बराबर रहा। लेकिन इसके बाद हांगकांग की जोड़ी ने लगातार आठ अंक हासिल करते हुए बढ़त बना ली, जिसे ध्रुव और तनिशा पाट नहीं पाए। अंततः उन्हें सीधी गेमों में हार का सामना करना पड़ा।

सफेद गेंद के प्रारूप के बादशाह साबित हो रहे हैं केएल राहुल

बेंगलुरू। एक समय टीम के लिये अपनी उपयोगिता साबित करने के लिये जूझ रहे केएल राहुल ने चैम्पियंस ट्रॉफी से लेकर आईपीएल तक जिस तरह अपनी तकदीर का पासा पलटा है , वह उनके जैसा तकनीकी कौशल का धनी बल्लेबाज ही कर सकता है । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ आईपीएल मैच में चिन्नास्वामी की पेचीदा पिच पर 175 की स्ट्राइक रेट से 53 गेंद में नाबाद 93 रन बनाकर उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को छह विकेट से जीत दिलाई। उनका अर्धशतक जोखिमरहित था जिसमें 29 गेंद में 29 रन बनाने के बाद बाकी 64 रन सिर्फ 24 गेंद में बनाये गए।

यह कहना आसान है कि कर्नाटक का होने के कारण हालात से वाकफियत से उन्हें तेजी से रन बनाने में मदद मिली। हो सकता है कि ऐसा हुआ हो लेकिन सिर्फ यही कारण नहीं है । वह दिल्ली टीम की बल्लेबाजी की धुरी बने हैं तो अपने तकनीकी कौशल के दम पर । उन्होंने बृहस्पतिवार को एक बार फिर साबित कर दिया कि टीम का उन पर भरोसा बेमानी नहीं है। जोश हेजलवुड को 15वें ओवर में तीन चौकों और एक छक्के समेत 22 रन लेकर उन्होंने मैच का पासा दिल्ली के पक्ष में पलट दिया। आरसीबी के मेंटोर दिनेश कार्तिक ने राहुल की पारी की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 में अलग अलग क्रम पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं है लेकिन उसने पिछले कुछ समय में ऐसा बखूबी किया है । मेरा मानना है कि वह उच्च स्तर का मध्यक्रम का बल्लेबाज है। उन्होंने कहा कि उसके पास कौशल हमेशा से था लेकिन अब वह और स्वतंत्रता से खेल रहा है । उसे देखकर अच्छा लग रहा है। आरसीबी को उसके गढ में हराने के बाद जिस तरह मैदान पर सर्कल बनाकर बीच में उन्होंने अपना बल्ला ठोंककर जश्न मनाया , उससे साबित होता है कि सीमित ओवरों के प्रारूप में वह अपने हुनर का लोहा मनवाने में कामयाब रहे हैं । उन्होंने बाद में यह भी कहा कि यह मेरा घरेलू मैदान है और मैं दूसरों से बेहतर इसे जानता हूं ।

हम मुंबई हमलों में न्याय के लिए भारत के प्रयासों का समर्थन करते हैं: अमेरिका

न्यूयॉर्क/ वॉशिंगटन। अमेरिका ने मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों के आरोपी पाकिस्तानी-कनाडाई नागरिक तहव्वुर हुसैन राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के बाद कहा है कि नवंबर 2008 में हुए इन आतंकवादी हमलों ने पूरे विश्व को झकझोर दिया था और अमेरिका इनके लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के भारत के प्रयासों का लंबे समय से समर्थन करता रहा है।

अमेरिकी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने कहा कि अमेरिका ने 64 वर्षीय राणा को 'भयानक 2008 मुंबई आतंकवादी हमलों के षड्यंत्र में उसकी भूमिका के कारण न्याय का सामना करने के लिए' नौ अप्रैल को भारत प्रत्यर्पित किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाने के भारत के प्रयासों का लंबे समय से समर्थन किया है और जैसा कि राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है, अमेरिका और भारत आतंकवाद के वैश्विक संकट से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। उन्होंने बताया कि राणा 'भारत के कब्जे में है और हमें इस मामले में हुई प्रगति पर गर्व है।' ब्रूस ने कहा कि कुछ लोगों को शायद वे हमले याद न हों, जिनमें छह अमेरिकियों सहित 166 लोगों की दुखद मौत हो गई थी और इन हमलों ने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था।

उन्होंने कहा कि मैं आपको यह देखने और यह समझने के लिए प्रोत्साहित करती हूं कि आज की स्थिति के लिहाज से यह कितना भयानक हमला था। इससे पहले, अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने एक प्रवक्ता ने बताया कि राणा का प्रत्यर्पण इस बर्बर हमले के पीड़ितों के लिए 'न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम' है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने राणा को 2008 में मुंबई में हुए आतंकवादी हमलों में उसकी कथित भूमिका से जुड़े 10 आपराधिक आरोपों पर उसके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए भारत प्रत्यर्पित किया। प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि राणा का प्रत्यर्पण उन छह अमेरिकियों और कई अन्य पीड़ितों के लिए न्याय पाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो बर्बर हमलों में मारे गए थे। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुंबई हमलों के मुख्य आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को शुक्रवार को 18 दिन की हिरासत में ले लिया।

उससे 26/11 के आतंकवादी हमले की पूरी साजिश का पता लगाने के लिए विस्तार से पूछताछ की जाएगी। राणा को अमेरिका से बृहस्पतिवार को भारत लाया गया और नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे पर पहुंचने पर औपचारिक रूप से उसे गिरफ्तार करने के बाद पटियाला हाउस स्थित एनआईए की विशेष अदालत में पेश किया गया। अदालत ने बृहस्पतिवार को राणा को 18 दिन की एनआईए की हिरासत में भेज दिया, जिसके बाद उसे भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच पटियाला हाउस अदालत परिसर से एनआईए मुख्यालय लाया गया। अधिकारियों ने बताया कि राणा को यहां सीजीओ कॉम्प्लेक्स स्थित आतंकवाद निरोधी एजेंसी के मुख्यालय के अंदर एक बेहद सुरक्षित कोठरी में रखा जाएगा।

स्लोवाकिया ने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को मान्यता दी : मुर्मू

ब्रातिस्लावा/नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत बनाने में भारतीय समुदाय के योगदान की सराहना की। उन्होंने ब्रातिस्लावा में आयोजित सामुदायिक स्वागत समारोह में यह बात कही। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि स्लोवाक नेताओं के साथ बातचीत में मुझे यह सुनकर खुशी हुई कि उन्होंने भारतीय समुदाय की कड़ी मेहनत को मान्यता दी। स्लोवाकिया के विकास और प्रगति में भारतीय समुदाय के बहुमूल्य योगदान के प्रति बहुत सम्मान की भावना रही है।

उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि यह देखकर खुशी होती है कि भारत की विरासत और परंपराएं हमारे स्लोवाक मित्रों के बीच काफी लोकप्रिय हैं। योग और आयुर्वेद से लेकर भारतीय व्यंजनों तक, स्लोवाकिया में भारतीय संस्कृति के प्रति प्रेम दोनों देशों के लोगों के बीच बढ़ते मजबूत संबंधों का प्रमाण है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि उपनिषदों का स्लोवाक भाषा में अनुवाद यहां के लोगों को भारत की प्राचीन शिक्षाओं से जुड़ने का एक और अवसर प्रदान करेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय संस्कृति के प्रतिनिधि के रूप में भारतीय समुदाय की भूमिका भारत-स्लोवाकिया संबंधों को मजबूत करने में अमूल्य है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के अपने राजदूत हैं जो दोनों देशों को जोड़ने के लिए पुल का काम करते हैं। लेकिन भारतीय समुदाय भी उन राजदूतों में से एक है क्योंकि वे भारत का प्रतिनिधित्व करते हैं, भारत को गौरव दिलाते हैं और बढ़ाते हैं।

राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू और स्लोवाकिया के प्रेसिडेंट पीटर पेलेग्रिनी ने संयुक्त रूप से स्लोवाकिया के नित्रा के सिहोट स्थित सिटी पार्क में स्लोवाकिया के राष्ट्रीय वृक्ष लिंडेन को लगाया। यह लगभग तीन दशकों में किसी भारतीय राष्ट्रपति की स्लोवाकिया की पहली यात्रा है।

राष्ट्रपति दौपदी मुर्मू की स्लोवाकिया की दो दिवसीय यात्रा इस बात का संकेत देती है कि भारत स्लोवाक गणराज्य के साथ अपने द्विपक्षीय संबंधों को कितना महत्व देता है। इससे रक्षा, विज्ञान, टेक्नोलॉजी, शिक्षा सहित विभिन्न क्षेत्रों में गहन सहयोग और नई पहलों के शुरू होने की उम्मीद है।

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका ने भारतीय नागरिक और दो भारतीय कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका ने ईरान के तेल का परिवहन करने और ईरान के 'छाया बेड़े' के तौर पर काम करने के आरोप में संयुक्त अरब अमीरात में रहने वाले एक भारतीय नागरिक और भारत की दो कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिका के वित्त मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक बयान जारी करके यह जानकारी दी। बयान में कहा गया कि जुगविंदर सिंह बरार कई पोतपरिवहन कंपनियों के मालिक हैं और उनके पास लगभग 30 जहाजों का बेड़ा है, जिनमें से कई ईरान के 'छाया बेड़े' के हिस्से के रूप में काम करते हैं। बरार का यूएई में व्यवसाय है इसके अलावा वह भारत स्थित पोत परिवहन कंपनी 'ग्लोबल टैंकर्स प्राइवेट लिमिटेड' और पेट्रोकेमिकल बिक्री कंपनी 'बी एंड पी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड' के मालिक हैं या उनका नियंत्रण भी उनके पास है। वित्त मंत्रालय के विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) ने बरार और भारत-आधारित दो कंपनियों को प्रतिबंधित कर दिया है।

युवराज हैरी अचानक पहुंचे यूक्रेन, युद्ध पीड़ितों से मुलाकात की

लंदन। ब्रिटेन के महाराजा चार्ल्स तृतीय के छोटे बेटे युवराज हैरी अचानक यूक्रेन पहुंचे और वहां उन्होंने रूस के साथ जारी युद्ध के पीड़ितों से मुलाकात की। एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। हैरी ने बृहस्पतिवार को लवीव में ऑर्थोपेडिक क्लीनिक 'सुपरह्यूमन्स सेंटर' का दौरा किया जहां घायल सैन्य कर्मियों और नागरिकों का इलाज किया जाता है। युवराज हैरी की यात्रा का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि युद्ध के बीच लोगों की शीर्ष-स्तरीय सेवाएं मिलें। इस केंद्र में कृत्रिम अंग, पुनर्निर्माण सर्जरी और मनोवैज्ञानिक सहायता निःशुल्क प्रदान की जाती हैं। युवराज हैरी की पश्चिमी यूक्रेन की यात्रा के संबंध में जानकारी तब दी गई जब वह वहां से रवाना हो गए।

नॉर्थ डकोटा में पाइपलाइन से हजारों गैलन कच्चा तेल बहा

नॉर्थ डकोटा। अमेरिका के नॉर्थ डकोटा के फार्मलैंड में एक भूमिगत पाइपलाइन से कच्चा तेल फैल गया है। पाइपलाइन की मालिक कंपनी साउथ बो ने गुरुवार को बताया कि अब तक हजारों गैलन तेल इकट्ठा कर लिया गया है, लेकिन यह साफ नहीं है कि तेल रिफाइनरियों तक दोबारा कब पहुंचेगा। यह तेल रिसाव मंगलवार को फोर्ट रैनसम के पास हुआ, जो फार्गो शहर से करीब 97 किलोमीटर दूर है।

म्यांमा में 'साइबर गुलामी' में धकेले गये लगभग 60 भारतीयों को बचाया गया, पांच गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस की साइबर शाखा ने म्यांमा में 'साइबर गुलामी' के लिए मजबूर किये गये 60 से अधिक भारतीय नागरिकों को बचाया है और एक विदेशी नागरिक समेत पांच एजेंट को गिरफ्तार किया है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने इस संबंध में तीन प्राथमिकी दर्ज की हैं। अधिकारी ने बताया कि गिरोह चलाने वाले लोग सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों से संपर्क करते थे और उन्हें थाईलैंड तथा अन्य पूर्वी एशियाई देशों में उच्च वेतन वाली नौकरियों की पेशकश करते थे। उन्होंने बताया कि एजेंटों ने पीड़ितों के लिए पासपोर्ट और विमान के टिकट का प्रबंध किया और उन्हें पर्यटक वीजा पर थाईलैंड भेज दिया। उन्होंने बताया कि वहां से उन्हें म्यांमा सीमा पर भेजा गया और छोटी नौकाओं से नदी पार कराकर म्यांमा में प्रवेश कराया गया। अधिकारी ने बताया कि म्यांमा में प्रवेश करते ही पीड़ितों को सशस्त्र विद्रोही समूह कड़ी सुरक्षा वाले परिसरों में ले जाते थे और उन्हें बड़े पैमाने पर फर्जी निवेश योजनाओं के नाम पर साइबर धोखाधड़ी करने के लिए मजबूर करते थे। अधिकारी ने बताया कि महाराष्ट्र साइबर पुलिस ने अन्य एजेंसियों के साथ मिलकर पीड़ितों को बचाया। उन्होंने हालांकि, यह नहीं बताया कि पीड़ितों को बचाने के लिए म्यांमा में घुसकर अभियान चलाया गया था या नहीं। उन्होंने बताया कि पीड़ितों से पूछताछ में एजेंटों और धोखाधड़ी करने वाली कॉल सेंटर कंपनियों के एक नेटवर्क का खुलासा हुआ, जो भारत से नौकरी के इच्छुक लोगों को अपने जाल में फंसाते थे।

न्यूयॉर्क: हवा में दोफाड़ होने के बाद हेलीकॉप्टर नदी में गिरा, पायलट समेत छह लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में पर्यटन में इस्तेमाल होने वाला एक हेलीकॉप्टर बृहस्पतिवार को उड़ान के दौरान हवा में ही टूटकर दोफाड़ हो गया और हडसन नदी में जा गिरा जिससे उसमें सवार पायलट और स्पेन के पांच पर्यटकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जांच से जुड़े एक अधिकारी ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को बताया कि मृतकों में पायलट के अलावा जानी मानी कंपनी सीमेंस के कार्यकारी अधिकारी ऑगस्टिन एस्कोबार, उनकी पत्नी मर्स कैम्परुबी मोंटाल और तीन बच्चे शामिल हैं।

हेलीकॉप्टर कंपनी की वेबसाइट पर जारी की गई तस्वीरों में दंपति और उनके बच्चे हेलीकॉप्टर में सवार होते समय मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे हैं। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि शवों को पानी से निकाल लिया गया है। हेलीकॉप्टर ने मैनहट्टन में उत्तर की ओर और फिर 'स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी' की ओर 18 मिनट से भी कम समय तक उड़ान भरी। दुर्घटना के कुछ वीडियो सामने आए हैं जिनमें हेलीकॉप्टर के कुछ हिस्से हवा में उछलकर जर्सी सिटी, न्यू जर्सी के तट के पास पानी में गिरते हुए दिखाई दिए। वहां मौजूद एक प्रत्यक्षदर्शी ब्रूस वॉल ने बताया कि उसने विमान को हवा में ही 'टूटकर दोफाड़ होते हुए' देखा, जिसमें 'टेल' और 'प्रोपेलर' अलग हो गए। न्यू जर्सी के होबोकेन में नदी के किनारे स्थित एक रेस्तरां की संचालिका लेस्ली कैमाचो ने बताया कि हेलीकॉप्टर अनियंत्रित रूप से घूम रहा था और पानी में गिरने से पहले उसमें से 'धुआं निकल रहा था।' अधिकारियों ने बताया कि उड़ान का संचालन 'न्यूयॉर्क हेलीकॉप्टर्स' करता है।

न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी में कंपनी के कार्यालयों में संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन वहां से कोई उत्तर नहीं मिला। कंपनी के मालिक माइकल रोथ ने 'न्यूयॉर्क पोस्ट' को बताया कि वह बेहद दुखी हैं और उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं है कि दुर्घटना क्यों हुई। संघीय उड्डयन प्रशासन ने हेलीकॉप्टर की पहचान 'बेल 206' के रूप में की है। इस मॉडल के हेलीकॉप्टर का वाणिज्यिक और सरकारी तौर पर व्यापक रूप से इस्तेमाल किया जाता है। इसके अलावा पर्यटन कंपनियां, टीवी चैनल और पुलिस बल में भी इस मॉडल के हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया जाता है। राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने कहा कि वह दुर्घटना मामले की जांच करेगा।

काठमांडू में हिंसा के आरोपी राजशाही समर्थक नेता दुर्गा प्रसाई को असम से गिरफ्तार किया गया

काठमांडू। नेपाल में राजशाही के समर्थन में हुए आंदोलन का नेतृत्व करने वाले नेता दुर्गा प्रसाई को भारत के असम से गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने असम की राजधानी गुवाहाटी की पुलिस के सहयोग से प्रसाई को गुरुवार शाम गिरफ्तार किया। वहां से नेपाल पुलिस प्रसाई को कड़ी सुरक्षा के बीच रात को ही नेपाल सीमा तक लाई। वहां से उन्हें विमान से काठमांडू लाया गया।

पुलिस का कहना है कि 28 मार्च को काठमांडू में राजशाही के समर्थन में हुए प्रदर्शन का नेतृत्व प्रसाई ने किया। इस दौरान हुई हिंसा, तोड़फोड़ आगजनी, लूटपाट और हत्या के प्रयास में प्रसाई का हाथ है। पुलिस ने बताया कि काठमांडू को हिंसा की आग में झोंककर अपनी गिरफ्तारी की आशंका से प्रसाई फरार हो गए। नेपाल पुलिस ने बताया कि उनके भारत में छुपे होने की आशंका के मद्देनजर वहां की पुलिस से समन्यवय किया गया। प्रसाई को गुवाहाटी से गुरुवार रात गिरफ्तार कर सिलीगुड़ी होते हुए नेपाल के काकडभिट्टा सीमा तक लाया गया।

नेपाल पुलिस के विशेष ब्यूरो के डीआईजी सिद्धि विक्रम शाह ने बताया कि काकडभिट्टा सीमा पर कड़ी सुरक्षा के बीच दुर्गा प्रसाई को आधिकारिक रूप से हिरासत में लिया गया। इसके बाद झापा जिले के भद्रपुर से प्रसाई को विमान से काठमांडू लाया गया। प्रसाई को विशेष ब्यूरो मुख्यालय में पूछताछ के बाद काठमांडू जिला अदालत में पेश किया जाएगा। इस दौरान अदालत से उनके रिमांड की मांग की जाएगी।

सूडान में गोलाबारी में 16 से अधिक लोगों की मौत

खार्तूम। पश्चिमी सूडान में विस्थापन शिविर पर गुरुवार को अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) द्वारा की गई गोलाबारी में 16 से अधिक लोग मारे गए और 25 अन्य घायल हो गए। गैर-सरकारी संगठन सूडानी डॉक्टर्स नेटवर्क ने एक बयान में यह जानकारी दी। इसने कहा कि आरएसएफ ने उत्तरी दारफुर राज्य की राजधानी एल फशर में अबू शौक विस्थापन शिविर पर 'जानबूझकर तोप से हमला' किया। इस बीच स्वयंसेवी समूह इमरजेंसी रूम ने कहा कि मरने वालों की संख्या 15 से अधिक है, जबकि घायलों की संख्या 25 है। आरएसएफ ने अभी तक इस घटना पर कोई टिप्पणी नहीं की है। एक बयान में कहा कि उसने उत्तरी दारफुर राज्य में 'उम कडाडा के रणनीतिक इलाके पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है।

भारतीय राजदूत ने चीनी उप विदेश मंत्री से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

बीजिंग। चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने चीन के उप विदेश मंत्री सुन वेइदोंग से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों और विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। चीन के विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि यह बैठक नौ अप्रैल को हुई थी।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीन-भारत संबंधों, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग पर चर्चा की। विज्ञप्ति के अनुसार, दोनों पक्षों ने कहा कि चीन और भारत अपने नेताओं के बीच बनी अहम आम सहमति को ईमानदारी से लागू करने और आपसी संबंधों के विकास को स्वस्थ एवं स्थिर गति से बढ़ावा देने के लिए मिलकर काम करेंगे। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले साल अक्टूबर में रूस के कजान में मुलाकात की थी। पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध के कारण चार साल से अधिक समय तक तनावपूर्ण रहे भारत-चीन संबंधों में इस मुलाकात के बाद से सुधार के संकेत दिख रहे हैं। तब से, दोनों देशों ने संबंधों को सामान्य बनाने के लिए कई उच्च स्तरीय बैठकें की हैं।

हम भी 'एक पेड़ मां के नाम' जैसी पहल पर विचार कर सकते हैं: स्लोवाकिया के राष्ट्रपति

ब्रातिस्लावा। स्लोवाकिया के राष्ट्रपति पीटर पेलेग्रिनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उनका देश भी ऐसी पहल पर विचार कर सकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने स्लोवाकिया की अपनी दो दिवसीय राजकीय यात्रा के अंतिम दिन नित्रा में एक पौधारोपण कार्यक्रम के दौरान पेलेग्रिनी को इस अभियान के बारे में बताया।

नित्रा स्लोवाकिया का सबसे पुराना शहर और 'सभी शहरों की जननी' माना जाता है। ब्रातिस्लावा से लगभग 100 किलोमीटर दूर स्थित इस शहर में 'टाटा मोटर्स जेएलआर संयंत्र' है जो स्लोवाकिया में किसी भारतीय कंपनी द्वारा किया गया सबसे बड़ा निवेश है। दोनों देशों के राष्ट्रपतियों ने संयंत्र का दौरा करने के बाद एक सार्वजनिक उद्यान में स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रीय वृक्ष लिंडेन का पौधा लगाया। नित्रा शहर के मेयर मारेक हट्टास भी उनके साथ मौजूद थे। इस दौरान मुर्मू ने प्रधानमंत्री मोदी की 'एक पेड़ मां के नाम' पहल का जिक्र किया। विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) तन्मय लाल ने कहा कि उन्होंने (मुर्मू ने) स्लोवाक गणराज्य के राष्ट्रपति को इस पहल के बारे में बताया जिसके बाद उन्होंने (पेलेग्रिनी ने) कहा कि उन्हें यह बहुत दिलचस्प लगा। उन्होंने कहा कि स्लोवाकिया भी इस तरह की पहल करने पर विचार कर सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल विश्व पर्यावरण दिवस पर लोगों से अपनी मां के नाम पर एक पेड़ लगाने की अपील की थी और नयी दिल्ली के एक उद्यान में पीपल का पेड़ लगाया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने बाद में एक कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की और उनसे देश का 'ब्रांड एंबेसडर' बनने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों में यहां भारतीय समुदाय की संख्या चार गुना बढ़ गई है।

मुर्मू ने कहा कि बुनियादी ढांचा विकास संबंधी भारत की रणनीति का मूल है तथा गति शक्ति, भारतमाला, सागरमाला और 'स्मार्ट सिटी' जैसी परिवर्तनकारी पहलों के माध्यम से प्रगति की जा रही है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत पहल आयात निर्भरता को कम करके और नवोन्मेष को बढ़ावा देकर भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र में बदल रही है। मुर्मू ने कहा कि हमारे युवाओं ने भारत को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा 'स्टार्टअप' केंद्र बना दिया है और भारत अब ई-कॉमर्स, एआई और कई अन्य क्षेत्रों के लिए एक वैश्विक केंद्र बन गया है।

अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा

बोकारो। उत्पाद विभाग की टीम ने गांधीनगर थाना क्षेत्र के जरडीह के सरैयाटांड़ बस्ती में छत्रु महतो के मिट्टी के घर पर छापेमारी कर अवैध शराब फैक्ट्री का खुलासा किया है। फैक्ट्री को संचालन शंभू साव कर रहे थे। घटनास्थल से टीम ने भारी मात्रा में तैयार अवैध शराब, स्पिरिट एवं शराब बनाने की सामग्री जैसे - विभिन्न ब्रांड के स्टीकर , खाली बोतल, विभिन्न ब्रांड के ढ़क्कन, पंचिंग मशीन एवं मिक्सिंग मशीन आदि जब्त किया गया। मामले में संलिप्त आरोपित शंभू साव एवं छत्रु महतो के विरुद्ध उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। निरीक्षक उत्पाद विजय कुमार पाल शुक्रवार को बताया कि उपायुक्त के निर्देश पर सहायक आयुक्त उत्पाद के नेतृत्व में छापेमारी की गयी थी। घटनास्थल से स्प्रिट 350 लीटर, 6 नीले रंग के जर्किन और 5 पानी के जार सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। उन्होंने बताया कि छापेमारी दल में अवर निरीक्षक सदर-सह-तेनुघाट सन्नी विवेक तिर्की, अवर निरीक्षक बेरमो-सह-चंदपुरा महेश दास एवं उत्पाद विभाग बल सहित सशस्त्र बल शामिल थे।

महाराष्ट्र में रेलवे की 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी

मुंबई। रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को मुंबई में नई एसी लोकल ट्रेनें शुरू करने का ऐलान किया, जिससे महाराष्ट्र में रेलवे नेटवर्क का विस्तार होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र में रेलवे के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए 1 लाख 73 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाओं को मंजूरी दी है।

रेलवे मंत्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस आज मुंबई के बीकेसी में संयुक्त रूप से पत्रकार वार्ता कर रहे थे। रेल मंत्री वैष्णव ने कहा कि मुंबई में उपनगरीय रेल सेवाओं में सुधार के लिए एसी लोकल ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाएगी। इससे यात्रियों को अधिक आरामदायक यात्रा का अनुभव मिलेगा। महाराष्ट्र में रेलवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने पर जोर दिया जा रहा है और केंद्र सरकार इसके लिए हर संभव सहयोग देगी। रेल मंत्री ने गोंदिया-बल्लारशाह और जलगांव-जालना नई रेलवे लाइनों की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने कहा कि कल्याण-आसनगांव के बीच चौथी लेन का काम भी जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा कि केंद्र से प्राप्त धनराशि से महाराष्ट्र के रेलवे विकास को गति मिलेगी।

महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर रेलवे नेटवर्क बनाया जा रहा है। मुंबई में कई रेलवे परियोजनाओं पर काम चल रहा है। महाराष्ट्र में तेजी से रेलवे नेटवर्क बनाया जा रहा है। फडणवीस ने यह भी कहा कि गोंदिया-बल्लारशाह रेलवे लाइन खुलने से विदर्भ क्षेत्र को अधिक लाभ होगा। इससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। मुंबई सहित पूरे राज्य में कई रेलवे परियोजनाओं पर काम तेजी से चल रहा है। फडणवीस ने कहा कि इन परियोजनाओं से महाराष्ट्र में यात्रा आसान होगी और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

TUITION TIGER

learn smart

ADMISSION

OPEN

Premium Live Batches

Inaugural Offer

For First 100 students - 75% Off

For Next 100 students - 50% Off

For Next 100 students - 25% Off

visit to enroll

www.TuitionTiger.com

81304 81309 **9220 90 5919**

TUITION TIGER

learn smart

Dear Teachers, associate with Tuition Tiger

Get Your Referral Code Today

mycode@tuitiontiger.com

922 09 05 910

---

www.TuitionTiger.com

81304 81309　9220 90 5919